महंगाई की मार से परेशान आम आदमी को केंद्र सरकार ने बड़ी राहत दी है। सरकार ने कहा है कि वह पेट्रोल पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क में 8 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 6 रुपये प्रति लीटर की कमी कर रही है।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 158 दिनांक:22-05-2022 रविवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यक्रमों में अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन जापान के प्रधानमंत्री फूमियो किसिदा और आस्ट्रेलिया प्रधानमंत्री के साथ क्वाड के बैठक के अलावा के इन राष्ट्राध्यक्षों के साथ अलग-अलग द्विपक्षीय बातचीत को भी शामिल किया गया है।

महंगाई पर वार-पेट्रोल 9.5 रुपए तो डीजल 7 रुपए सस्ता

-उज्ज्वला योजना के गैस सिलेंडर पर 200 रुपए की सब्सिडी

नई दिल्ली (ईएमएस)। पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों का सामना कर रहे देश के नागरिकों को केंद्र सरकार ने शनिवार को बड़ी राहत देने का एलान किया। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि हम पेट्रोल पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क (एक्साइज ड्यूटी) को आठ रुपए और डीजल पर छह रुपए कम कर रहे हैं। इससे पेट्रोल की कीमत 9.5 रुपए प्रति लीटर और डीजल के भाव में 7 रुपए प्रति लीटर तक कम हो जाएंगे। इसके साथ ही वित्त मंत्री ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के नौ करोड़ से अधिक लाभार्थियों को 200 रुपए प्रति सिलेंडर (12 सिलेंडर तक) सब्सिडी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि इससे हमारी माताओं और बहनों को मदद मिलेगी।

-प्लास्टिक उत्पादों पर कस्टम ड्यूटी भी घटाई

सीतारमण ने कहा कि हम उन प्लास्टिक उत्पादों के लिए कच्चे माल पर भी कस्टम ड्यूटी कम कर रहे हैं, जहां हमारी आयात निर्भरता ज्यादा है। स्टील के कुछ कच्चे माल पर भी आयात शुल्क को घटाया जाएगा। कुछ स्टील उत्पादों पर निर्यात शुल्क लगाया जाएगा। वित्त मंत्री ने कहा कि सीमेंट की उपलब्धता को बेहतर करने के लिए मानक अमल में लाए जा रहे हैं और सीमेंट की कीमत कम करने के लिए बेहतर लॉजिस्टिक्स का सहारा लिया जा रहा है।

-केंद्र के फैसले का मप्र पर असर

केंद्र के फैसले से पहले तक मप्र की राजधानी भोपाल में पेट्रोल 118.14 रुपए और डीजल 101.16 रुपये प्रति लीटर बिक रहा था। नई दरों के लागू होने के बाद पेट्रोल 108-109 रुपए और डीजल 93-94 रुपए के बीच मिलेगा। इंदौर में पेट्रोल 118.18 रुपए से घटकर 108-109 रुपए और डीजल 93-94 रुपये प्रति लीटर मिलेगा। ग्वालियर में पेट्रोल 118.04 रुपए प्रति लीटर से घटकर 108-109 रुपए प्रति लीटर और डीजल 101.06 रुपए प्रति लीटर से घटकर 93-94 रुपए के बीच मिलेगा।

भारत में ओमिक्रॉन सब वैरिएंट बीए.4 की दस्तक, तमिलनाडु में मिला दूसरा केस मिला

चेन्नई (ईएमएस)। कोविड-19 के बदलते स्वरूपों ने दुनिया के कई देशों में कोहराम मचाया और अब उसके ओमिक्रॉन का बीए.4 सब वैरिएंट ने भारत में भी दस्तक दे चुका है। हैदराबाद के बाद भारत में इसके दूसरे केस की पुष्टि हुई है। नया मामला तमिलनाडु का बताया जा रहा है। तमिलनाडु के स्वास्थ्य मंत्री सुब्रमण्यम ने एक बयान में कहा कि राज्य में ओमिक्रॉन के बीए.4 उप-संस्करण के एक मामले की पुष्टि हुई है। भारत में रिपोर्ट किए गए बीए.4 सब-वैरिएंट का यह दूसरा मामला है।

मिली जानकारी के अनुसार, वैरिएंट से प्रभावित व्यक्ति तमिलनाडु के चेनिया से 30 किलोमीटर की दूरी पर स्थित चेंगलपट्टू जिले के नवलूर का रहने वाला है। इससे पहले शुक्रवार को बीए.4 सब-वेरिएंट का पहला मामला हैदराबाद में दर्ज किया गया था। सूत्रों के हवाले से बताया, ठबीए.4 के पहले मामले का पता लगाने के बाद दक्षिण अफ्रीका से हैदराबाद की यात्रा करने वाले व्यक्ति के संपर्क में आने वाले व्यक्तियों के संपर्क का पता लगाना शुरू कर दिया गया है। वह क्वारंटाइन में था और सैंपल 9 मई को एकत्रित किया गया था।

भारतीय सार्स-कोवि-2 जीनोमिक्स कंसोर्टियम (आईएनएसएसीओजी) सोमवार 23 मई को मामले पर बुलेटिन जारी करेगा। गौरतलब है कि बीए.4 संस्करण पहली बार 10 जनवरी 2022 को दक्षिण अफ्रीका में मिला था। तब से यह सभी दक्षिण अफ्रीकी प्रांतों में पाया गया है। इस बात का कोई संकेत नहीं है कि बीए.4 या बीए.5 लोग नए लक्षणों या अधिक गंभीर बीमारी से जुड़े हैं। हालांकि, इन नए रूपों पर वैज्ञानिक अध्ययनों के आधार पर, वे प्रतिरक्षा प्रणाली से बचने में सक्षम हो सकते हैं।

भारत में हो रहा, ठीक वैसा ही पाकिस्तान में हुआ था- राहुल गांधी

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लंदन के कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी में आइडियाज फॉर इंडिया सम्मेलन में कहा कि कांग्रेस किसी भी तरह से अन्य विपक्षी दलों से बेहतर नहीं है। कहा, वह कांग्रेस को बिग डैडी के रूप में नहीं देखना चाहते हैं। मोदी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा, आवाज के बिना आत्मा का कोई मतलब नहीं है। भारत की आवाज दबा दी गई है। जो इस वक्त भारत में हो रहा है, ठीक वैसे ही पाकिस्तान में भी हुआ था। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की यह टिप्पणी हाल ही में उदयपुर में चिंतन शिविर के ठीक बाद आई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अकेले भाजपा से लड़ सकती है क्योंकि क्षेत्रीय दलों की न तो कोई विचारधारा है और न ही केंद्रीकृत दृष्टिकोण। उनके इस बयान से विपक्ष के कई दल नाराज हैं। पार्टी में अंदरूनी कलह, विद्रोह, दलबदल और चुनावी हार को लेकर राहुल गांधी ने कहा, ''कांग्रेस भारत को फिर से हासिल करने के लिए लड़ रही है। यह अब एक वैचारिक लड़ाई है - एक राष्ट्रीय वैचारिक लड़ाई। आवाज के बिना आत्मा का कोई मतलब नहीं है। भारत की आवाज दबा दी गई है। जो इस वक्त भारत में हो रहा है, ठीक वैसे ही पाकिस्तान में भी हुआ था।'' उन्होंने कहा, ठहम सिर्फ भाजपा से नहीं लड़ रहे हैं। हम अब भारतीय राज्य के संस्थागत ढांचे से लड़ रहे हैं, जिस पर एक संगठन ने कब्जा कर लिया है।ठ कांग्रेस नेता ने आगे कहा, ठहम उनके पास मौजूद फंड की बराबरी नहीं कर पाएंगे। हमें महंगाई और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर बड़े पैमाने पर जन आंदोलनों के बारे में सोचना होगा।

आय से अधिक संपत्ति मामले में हरियाणा के पूर्व सीएम ओम प्रकाश चौटाला दोषी करार

नई दिल्ली (ईएमएस)। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और इंडियन नेशनल लोक दल (इनेलो) सुप्रीमो ओम प्रकाश चौटाला की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। आय से अधिक संपत्ति मामले में शनिवार को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने चौटाला को दोषी करार दिया है। अदालत में 26 मई को सजा पर बहस होनी है। जानकारी के अनुसार, सीबीआई ने साल 2010 को पूर्व सीएम ओमप्रकाश चौटाला के खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की थी। चार्जशीट में बताया गया था कि चौटाला ने 1993 से 2006 के बीच कथित रूप से उनकी वैध आय से काफी अधिक संपत्ति जुटाई है। हालांकि, चौटाला परिवार इन आरोपों को हमेशा से ही राजनीति से प्रेरित बताता रहा है। चौटाला जेबीटी भर्ती घोटाले में पिछले साल जुलाई में ही तिहाड़ जेल से रिहा हुए थे। अब उन्हें एक बार फिर जेल जाना पड़ सकता है। कोर्ट के फैसले के बाद उनके समर्थकों में मायूसी छा गई है। बता दें कि, इससे पहले ओम प्रकाश चौटाला, उनके बेटे अजय चौटाला और कई अन्य लोगों को साल 2000 में तीन हजार से ज्यादा जूनियर बेसिक शिक्षकों की गैर कानूनी तरीके से भर्ती करने के मामले में सजा सुनाई गई थी। इस मामले में पूर्व सीएम को 10 साल की जेल की सजा हुई थी। शिक्षक घोटाला मामले में अपनी सजा पूरी करने के बाद चौटाला पिछले साल ही दिल्ली की तिहाड़ जेल से रिहा हुए थे। ताऊ देवीलाल की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ा रहे चौटाला हरियाणा की राजनीति में कद्दावर नेता माने जाते हैं।

अदालत में कानून पर भारी पड़ता रहा है संवैधानिक अधिकार, 1991 के पूजा स्थल कानून पर छिड़ी है बहस

नई दिल्ली। ज्ञानवापी मस्जिद में एक तरफ मां श्रृंगार गौरी व अन्य देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना के अधिकार तो दूसरी ओर 1991 के पूजा स्थल (विशेष प्रविधान) की लड़ाई चल रही है। एक वर्ग इस कानून के प्रविधानों को संविधान में प्राप्त मौलिक अधिकारों का उल्लंघन बता रहा है तो दूसरा वर्ग संसद से पारित कानून का कड़ाई से अनुपालन कराने की मांग कर रहा है। वैसे, अदालत की कसौटी पर अक्सर संवैधानिक अधिकार कानूनों पर भारी पड़ते देखे गए हैं। शुक्रवार को मामले की सुनवाई के दौरान जस्टिस चंद्रचूड़ की टिप्पणी से भी इस बात को बल मिलता है, जिसमें उन्होंने कहा था कि 1991 का कानून धार्मिक स्वरूप पता करने पर प्रतिबंध नहीं लगाता।

इलाहाबाद हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश एसआर सिंह कहते हैं कि सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट किसी भी कानून की वैधानिकता तीन आधारों पर परखता है। पहला, कानून संविधान में मिले मौलिक अधिकारों का हनन तो नहीं करता। दूसरा, कानून संविधान के किसी और प्रविधान का उल्लंघन तो नहीं करता और तीसरा, क्या इस कानून को पारित करने का संसद या विधानसभा को अधिकार था।

इन तीन में से किसी भी एक के उल्लंघन पर कानून अदालत से असंवैधानिक घोषित हो जाता है। जस्टिस उसह कहते हैं कि यह कानून कहता है कि धार्मिक स्थल की वही स्थिति रहेगी जो 15 अगस्त 1947 को थी। कानून धार्मिक स्थल का स्वरूप बदलने पर रोक लगाता है, लेकिन इस कानून में धार्मिक स्वरूप तय करने पर रोक नहीं है। यानी अदालत यह तय कर सकती है कि 15 अगस्त 1947 को किसी धार्मिक स्थल का स्वरूप क्या था।

15 अगस्त 1947 से पहले वह धार्मिक स्थल मंदिर था या मस्जिद, यह बात अदालत तय कर सकती है। कानून में कहा गया है कि इसके लागू होने के बाद धार्मिक स्थल का स्वरूप बदलने की मांग वाले जितने भी मुकदमे अदालत में लंबित होंगे, वे समाप्त हो जाएंगे। कानून में कोर्ट का अधिकार क्षेत्र प्रतिबंधित करने के उपबंध पर जस्टिस सिंह कहते हैं कि कानून के जरिये निचली अदालत का क्षेत्राधिकार तय किया जा सकता है। जमीन आदि के कानूनों में भी ऐसा है, लेकिन किसी भी कानून से सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के न्यायिक समीक्षा के अधिकार को खत्म नहीं किया जा सकता। अगर ऐसा होगा तो वह कानून असंवैधानिक हो जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील राकेश द्विवेदी भी इससे सहमति जताते हैं। वह कहते हैं कि दीवानी अदालतें कानून से बंधी होती हैं। उनका क्षेत्राधिकार कानून के जरिये प्रतिबंधित किया जा सकता है, लेकिन संवैधानिक अदालतों जैसे सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट का क्षेत्राधिकार प्रतिबंधित नहीं किया जा सकता। न्यायपालिका संविधान के मूल ढांचे का हिस्सा है और उसकी न्यायिक समीक्षा का अधिकार नहीं छीना जा सकता। पूजा स्थल कानून की वैधानिकता लंबित होने के दौरान हिंदू पक्ष के मुकदमे पर सुनवाई के पहलू पर द्विवेदी कहते हैं कि जब तक कानून पर कोर्ट ने रोक नहीं लगाई है, तब तक निचली अदालत उस कानून को लागू करते हुए मामले में सुनवाई कर सकती है।

सुप्रीम कोर्ट के वकील डीके गर्ग का कहना है कि कानूनी रूप से तो निचली अदालत इस कानून को लागू करते हुए सुनवाई कर सकती है, लेकिन न्यायिक अनुशासन यह कहता है कि जब तक कानून की वैधानिकता का मुद्दा सुप्रीम कोर्ट में लंबित है, तब तक निचली अदालत को उस कानून को लागू करने की मांग पर सुनवाई नहीं करनी चाहिए। पूजा स्थल कानून में किसी धार्मिक स्थल की स्थिति के बारे में तय तिथि यानी 15 अगस्त 1947 की कटआफ डेट को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। कानून का विरोध करने वालों का कहना है कि कटआफ डेट ठीक नहीं है, क्योंकि इससे किसी स्थल पर दावा करने का उनका अधिकार बाधित होता है।

राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर अधीर रंजन का विवादित ट्वीट

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि है। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कांग्रेस के भी तमाम नेताओं ने उन्हें याद किया और अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल के नेता अधीर रंजन चौधरी ने भी अपनी पार्टी के भूतपूर्व नेता को याद किया। हालांकि, उन्हें अपनी ट्वीट डिलीट करनी पड़ गई। अधीर रंजन ने राजीव गांधी को श्रद्धांजलि देने के लिए ट्विटर का सहारा लिया। उन्होंने एक ग्राफिक के जरिए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की, जिसपर लिखा था- 'जब बड़ा पेड़ गिरता है तो घरती कांपती है। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि है। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कांग्रेस के भी तमाम नेताओं ने उन्हें याद किया और अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल के नेता अधीर रंजन चौधरी ने भी अपनी पार्टी के भूतपूर्व नेता को याद किया। हालांकि, उन्हें अपनी ट्वीट डिलीट करनी पड़ गई। अधीर रंजन ने राजीव गांधी को श्रद्धांजलि देने के लिए ट्विटर का सहारा लिया। उन्होंने एक ग्राफिक के जरिए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की, जिसपर लिखा था- 'जब बड़ा पेड़ गिरता है तो घरती कांपती है। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और पार्टी के कई अन्य नेताओं ने शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने आधुनिक भारत के निर्माण में राजीव गांधी के योगदान को भी याद किया। सोनिया गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा, संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल और कई अन्य कांग्रेस नेताओं ने 'वीर भूमि' पहुंचकर राजीव गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। पिता को याद करते हुए राहुल गांधी ने ट्वीट किया, ठमेरे पिता एक दूरदर्शी नेता थे, जिनकी नीतियों से आधुनिक भारत को आकार देने में मदद मिली। वह एक करुणामयी और दयालु व्यक्ति थे। मेरे और प्रियंका के लिए एक अद्भुत पिता थे, जिन्होंने हमें क्षमा और सहानुभूति के मूल्य के बारे में बताया।ठ उन्होंने कहा, ठमैं उनकी कमी महसूस करता हूं, उस समय को सप्रेम याद करता हूं, जो हमने साथ गुजारे थे।ठ प्रियंका गांधी ने अपने पिता के बारे में किए गए राहुल गांधी के ट्वीट को रिट्वीट किया। वहीं, कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि देते हुए ट्वीट किया, ठविश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के सबसे युवा प्रधानमंत्री, आधुनिक भारत के स्वप्नदृष्टा, जिनकी दूरदर्शिता के फलस्वरूप ही देश कंप्यूटर युग में प्रवेश कर सका। भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री राजीव गांधी जी की पुण्यतिथि पर उन्हें शत-शत नमन।ठ कांग्रेस के कई अन्य नेताओं ने भी राजीव गांधी को श्रद्धांजलि दी। राजीव गांधी का जन्म 20 अगस्त 1944 को हुआ था। उन्होंने प्रधानमंत्री के तौर पर 1984 से 1989 तक देश का नेतृत्व किया। 21 मई 1991 को तमिलनाडु में लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान उनकी हत्या कर दी गई थी।

सपा प्रमुख अखिलेश ने तेंलगाना के सीएम राव से की मुलाकात

नई दिल्ली (ईएमएस)। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को दिल्ली में तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) से मुलाकात कर देश के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। राव राष्ट्रीय स्तर के राजनीतिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए सप्ताह भर के अपने दौरे के तहत दिल्ली में हैं। आधिकारिक बयान के अनुसार, ''समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री केसीआर से मुलाकात की। उनकी बैठक जारी है। दोनों नेता राष्ट्र से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा कर रहे हैं। राव के कार्यक्रम के अनुसार, वह राजनीतिक, मीडिया और आर्थिक विशेषज्ञों से मिलने तथा देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले सैनिकों के परिवारों की मदद करने वाले है। राव केंद्र के खिलाफ 'किसानों के अधिकारों के लिए आंदोलन' के दौरान जान गंवाने वाले व्यक्तियों के परिवारों से भी मुलाकात करने वाले हैं। वह 22 मई को चंडीगढ़ रवाना होकर उन 600 किसानों के परिवारों से मुलाकात करेंगे जिन्होंने अब रद्द केंद्रीय कृषि कानूनों के खिलाफ देशव्यापी किसान आंदोलन के दौरान अपनी जान गंवा दी थी। वित्तीय सहायता के रूप में वह प्रत्येक परिवार को तीन लाख रुपये वितरित करने वाले हैं। चेक वितरण का काम दिल्ली और पंजाब के उनके समकक्षों क्रमशः अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान के साथ किया जाएगा।

यह सहायता पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और दिल्ली के किसान परिवारों को दी जाएगी। राव 26 मई को पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा से मिलने बेंगलुरू पहुंचने वाले हैं। वहां से अगले दिन सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे से मिलने महाराष्ट्र के रालेगण सिद्धि जाएंगे। इसके बाद वह शिरडी जाएंगे तथा साईं बाबा मंदिर में दर्शन कर उसी दिन हैदराबाद लौट जाएंगे। विज्ञप्ति में कहा गया है,कि गलवान घाटी में शहीद हुए जवानों के परिवारों से मिलने के लिए वह 29 और 30 मई को पश्चिम बंगाल और बिहार के दौरे पर जाएंगे। विज्ञप्ति के अनुसार राव उन परिवारों को सहायता प्रदान करने वाले हैं।

मृत्युदंड के मामलों में सुप्रीम कोर्ट ने जारी किये नए दिशानिर्देश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस यूयू ललित, रवींद्र भट और जस्टिस बेला एम त्रिवेदी की पीठ ने मृत्युदंड के आरोपियों के मामले में दिशानिर्देश जारी करते हुए अभियोजन एजेंसी (ज्ेदोम्लूहु्ाहम्ब) से सिफारिश की है कि वह ऐसी सामग्री पेश करे, जिसके तहत सत्र अदालत के समक्ष पहले से एकत्र की गई हो, जिसमें उचित स्तर पर मौत की सजा देने वाले अपराध में आरोपी के मनोवैज्ञानिक और मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन का खुलासा किया गया हो। शीर्ष अदालत ने कहा कि आरोपी की मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन और इसका संचालन, अपीलीय अदालतों के लिए, उपयोग करने के लिए आधार रेखा प्रदान करेगी, तो वही सुधार की दिशा में अभियुक्त की प्रगति का मूल्यांकन करने के लिए इसका प्रयोग किया जाएगा।

शीर्ष अदालत ने दिशा- निर्देश(उल्ा्थ्महा) जारी करते हुए टिप्पणी की कि यह सुनिश्चित करने की तत्काल आवश्यकता है कि अपराध की क्रूरता के लिए प्रतिशोधात्मक प्रतिक्रिया में बचने के लिए, मुकदमे के चरण को कम करने वाली परिस्थितियों पर विचार किया जाए जैसा कि अपीलीय चरण तक पहुंचने वाले अधिकांश मामलों में होता है।

शीर्ष अदालत ने कहा कि निचली अदालत को आरोपी और राज्य से जानकारी प्राप्त करनी चाहिए। और साथ ही राज्य को मौत की सजा देने वाले अपराध के लिए उचित स्तर पर ऐसी सामग्री का उत्पादन करना चाहिए जो आरोपी के मनोवैज्ञानिक और मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन का खुलासा करने के लिए सत्र न्यायालय के समक्ष पहले से ही एकत्र की गई सामग्री हो। ऐसा इसलिए क्योंकि यह अपराध करने के समय आरोपी व्यक्ति के दिमाग (या मानसिक बीमारी यदि कोई हो) के साथ निकटता (समयरेखा के संदर्भ में) स्थापित करने में मदद करेगा और कम करने वाले कारकों पर मार्गदर्शन प्रदान करेगा।

सांसद नवनीत राणा को बीएमसी ने दूसरी बार भेजा नोटिस, अवैध निर्माण को तोड़ने पर हो सकता है फैसला

मुंबई (ईएमएस)। महाराष्ट्र के अमरावती से सांसद नवनीत राणा हनुमान चालीसा विवाद से चर्चा में आने के बाद अब अतिक्रमण को लेकर चर्चा में हैं। उन्हें और उनके पति रवि राणा को बीएमसी (बृहनमुंबई महानगर पालिका) ने अब दूसरा नोटिस भेजा है। इसके बाद राणा दंपत्ति ने शुक्रवार की बीती शाम को नोटिस का जवाब दिया, जिससे बीएमसी संतुष्ट नजर नहीं आई। इसके चलते बीएमसी ने दोबारा नोटिस भेजा है। इस नोटिस का जवाब राणा दंपत्ति को 7 दिन के भीतर देना होगा। वहीं अगर बीएमसी उनके जवाब से संतुष्ट नहीं हुई तो उनके घर पर हुए अवैध निर्माण को तोड़ने के मामले में आखिरी फैसला ले सकती है। बता दें कि मुंबई के खार इलाके में राणा परिवार का एक फ्लैट है, जिसमें अवैध निर्माण का शक बीएमसी को है।

इस मामले में 4 मई को महानगर पालिका के अधिकारियों ने नवनीत राणा के घर का मुआयना भी किया था। हालांकि इस कार्रवाई से पूर्व राणा दंपत्ति को बीएमसी ने नोटिस भी भेजा था। बता दें कि हनुमान चालीसा विवाद में मुंबई सत्र न्यायालय ने राणा दंपत्ति को कुछ शर्तों के साथ जमानत दी थी। इसमें मुख्य शर्त यह थी कि वह मीडिया से बात नहीं करेंगी। वहीं जेल से बाहर आने के बाद नवनीत राणा ने सीने, गले में दर्द की शिकायत की थी, जिसके बाद उन्हें मुंबई के लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

भारतीय युवा कांग्रेस द्वारा राजीव क्रांति भारत जोड़ो अभियान का हुआ आगाज

-क्रांति के अग्रदूत स्व. राजीव गांधी आज भी हम युवाओं के हृदय में वास करते हैंः श्रीनिवास बी वी

- पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गाँधी 21वीं सदी के भारत के निर्माता थेः कृष्णा अल्लावारु

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय युवा कांग्रेस ने आज भारत रत्न देश के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर ठराजीव क्रांतिठ भारत जोड़ो अभियान की शुरुवात की तालकटोरा स्टेडियम, नई दिल्ली में। इस अवसर पर देश भर से युवा कांग्रेस के कार्यकर्त्ता हजारों की संख्या में तालकटोरा स्टेडियम, नई दिल्ली पहुंचे। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर भारतीय युवा कांग्रेस ने और भी अन्य कार्यक्रमों का आयोजन किया जैसे की रक्त दान शिविर, राजीव गांधी के जीवन पर आधारित एक चित्र प्रदर्शनी। भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास बी वी और युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रभारी और एआईसीसी सह सचिव कृष्णा अल्लावारु जी ने रक्त दान किया व उनके साथ साथ अनेकों युवाओं ने इसमें हिस्सा लिया।

इस अवसर पर भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास बी वी ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की सोच एक क्रांतिकारी सोच थी जिसने युवा भारत की नीव रखी। आज हम जिस डिजिटल क्रांति के दौर में हैं उसकी बुनियाद देश में राजीव गांधी जी ने रखी थी। राजीव जी ने ही उम्र सीमा कम करके युवाओं को वोटिंग की ताकत दी। इस कार्यक्रम के माध्यम से हमने भारत को जोड़ने की शुरुआत के तहत एक नई क्रांति का आगाज किया है। उन्होंने यह भी कहा कि आज़ादी की लड़ाई के दौरान बापू ने गांवों की मजबूती का सपना देखा था, उस सपने को पूरा किया- राजीव गांधी जी ने। पंचायती राज के जरिए उन्होंने अधिकार और ताकत गांवों की चौखट पर लाकर रख दिए। देश में जब अस्थिरता का माहौल आया; पंजाब से लेकर असम तक असंतोष पनपा, तो राजीव गांधी जी ने बापू के मार्ग पर चलते हुए शांति समझौतों के जरिए देश को एक रखा। राजीव जी जो कर गए देश के लिए, वो विरले ही कर पाएंगे।

एआईसीसी कोषाध्यक्ष पवन कुमार बंसल ने कहा कि श्रीलंका हो या मालदीव, राजीव गांधी जी ने शांति और मानवाधिकारों की रक्षा के लिए हमेशा कदम उठाए। उनके कदमों ने भारत की सद्भाव और वसुधैव कुटुम्बकम वाली भावना का मान बढ़ाते हुए भारत का सिर ऊंचा किया।

एआईसीसी महासचिव अजय माकन ने कहा की युवा सपनों को नई उड़ान देने का काम आज़ादी के बाद राजीव गांधी जी ने किया। 18 साल की उम्र में मताधिकार इस देश के युवाओं की निर्णय क्षमता पर वो भरोसा था, जिसके बल पर हिंदुस्तान ने उड़ानें भरी।

भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रभारी और एआईसीसी सह सचिव कृष्णा अल्लावारु ने कहा कि कुछ युगपुरुष ऐसे होते हैं, जो जीवन त्यागकर अमर हो जाते हैं। राजीव गांधी उनमें से एक हैं, तमाम खतरों के बारे में जानते हुए भी वो अपने जीवन की परवाह किए बिना देश के लिए लगे रहे। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी जी के वक्तव्य वर्तमान समय में विकास के असली मायनों को समझा रहे हैं। असली विकास वही है, जिसमें मानवीय मूल्यों को वरीयता दी जाए। राष्ट्र निर्माण में राजीव गांधी जी का योगदान अविस्मरणीय है।

भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी राहुल राव ने कहा देश भर से युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता आज ठराजीव क्रांतिठ कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए तालकटोरा स्टेडियम, नई दिल्ली पहुंचे। इस कार्यक्रम के माध्यम से भारत जोड़ो अभियान की शुरुवात हुई, साथ ही साथ रक्त दान शिविर और राजीव गांधी के जीवन पर आधारित एक चित्र प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया राजीव गांधी के पुण्यतिथि के अवसर पर।

श्रीरंगपटना की जामिया मस्जिद पर बढ़ा विवाद, हिंदू संगठनों ने कहा- हनुमान मंदिर के भग्नावशेष पर बनी है मस्जिद

बेंगलुरु। कर्नाटक के हिंदू संगठनों ने वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद की तरह ही मांडया जिले के श्रीरंगपटना स्थित जामिया मस्जिद को मंदिर बताते हुए उस पर दावेदारी कर दी है। उनका दावा है कि जामिया मस्जिद को हनुमान मंदिर के भग्नावशेष पर बनाया गया था। उन्होंने इस मामले में अदालत का दरवाजा खटखटाने की तैयारी भी कर ली है। हिंदू संगठनों ने मांडया की जिला आयुक्त (डीसी) अश्वती एस. को ज्ञापन सौंपते हुए जामिया मस्जिद का सर्वे कराने की मांग की है। नरेन्द्र मोदी विचार मंच के राज्य सचिव ने खास बातचीत में कहा, 'डीसी ने हमें बताया है कि उन्होंने हमारा ज्ञापन सरकार को भेज दिया है। अगर सरकार प्रतिक्रिया नहीं देती है, तो हम अदालत का दरवाजा खटखटाने के लिए तैयार हैं। विभिन्न हिंदू संगठनों से विमर्श के बाद कानूनी कार्रवाई की जाएगी।'

माना जाता है कि जामिया मस्जिद को मैसुरु के पूर्व शासक टीपू सुल्तान ने बनवाया था। यह मस्जिद चर्चा में तब आई, जब हिंदू संगठनों ने 16 अप्रैल को हनुमान जयंती के अवसर पर छह लाख मालाधारी श्रद्धालुओं के श्रीरंगपटना पहुंचने का एलान किया था। उन्होंने इसके लिए प्रशासन से इजाजत भी मांगी थी। इससे वहां कानून-व्यवस्था की स्थिति पैदा हो गई थी। मस्जिद समिति ने भी प्रशासन से सुरक्षा प्रदान करने की मांग की थी। जामिया मस्जिद को मस्जिद-ए-आला भी कहा जाता है जो श्रीरंगपटना किले के अंदर स्थित है। 1786-87 में बनी इस मस्जिद में दो मीनारें हैं जिन्हें एक ऊंचे चबूतरे पर बनाया गया है। मीनार के प्रत्येक चरण को अलग करने वाली बालकनी हैं। मस्जिद दो मंजिला है और अन्य मस्जिदों के विपरीत इसमें कोई गुंबद नहीं है। जामिया मस्जिद भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ॅ-र्म्पिदत्तुर्मिएल्निब र्द र्घ्एि, ॅएघ्) के बेंगलुरु सर्कल द्वारा प्रशासित है।

इस बीच एक संगठन के राज्य सचिव सीटी मंजूनाथ बताते हैं कि वे पुख्ता सबूत के साथ मानते हैं कि जामिया मस्जिद का निर्माण एक हनुमान मंदिर को गिराकर किया गया था। उनका कहना है कि ब्रिटिश इतिहासकार पुरातत्व और शिक्षाविद बी. लुईस राइस ने 1935 में एएसआई को अपनी रिपोर्ट के पृष्ठ संख्या 61 पर हनुमान मंदिर के बारे में उल्लेख किया है।

कार्टून कोना

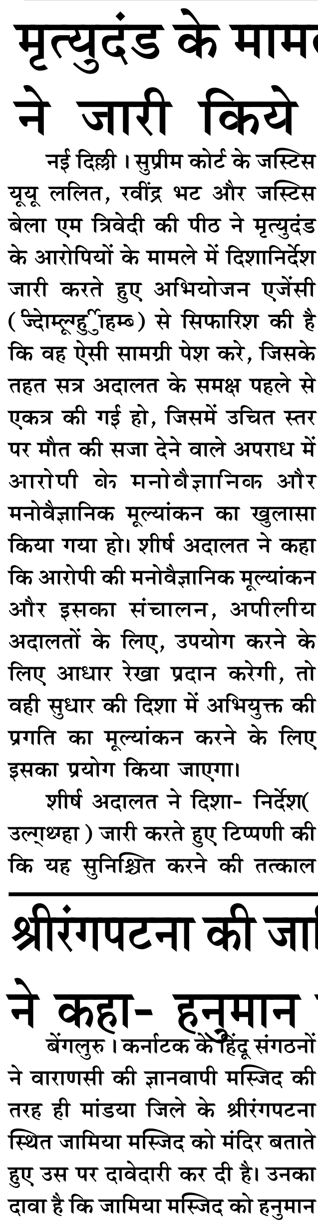

ज्ञानवापी मस्जिदः शिवलिंग के दावे पर बोले ओवैसी, ऐसे फव्वारे गुरुत्वाकर्षण पर काम करते हैं

नई दिल्ली (ईएमएस)। बनारस की ज्ञानवापी मस्जिद-काशी विश्वनाथ मंदिर को लेकर चल रहे विवाद के बीच एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी हिंदू पक्ष के दावे पर भड़क गए और कहा कि फव्वारा कम से कम 7वीं शताब्दी से इस्लामी वास्तुकला की एक अनिवार्य विशेषता है। बिजली मुक्त फव्वारे के बारे में विकिपीडिया और न्यूयॉर्क टाइम्स के एक पुराने लेख के लिंक साझा करते हुए, ओवैसी ने कहा कि ऐसे फव्वारे गुरुत्वाकर्षण पर काम करते हैं और प्राचीन रोमन और यूनानियों के पास पहली और छठी शताब्दी ईसा पूर्व के फव्वारे थे।

ओवैसी ने ट्वीट किया, ठसंघी जीनियस पूछ रहे हैं कि बिजली के बिना एक फव्वारा कैसे था? इसे ग्रेविटी कहा जाता है। संभवतः दुनिया का सबसे पुराना कामकाजी फव्वारा 2700 साल पुराना है। प्राचीन रोमन और यूनानियों के पास पहली और छठी शताब्दी ईसा पूर्व के फव्वारे थे। शाहजहां के शालीमार उद्यान में 410 फव्वारे हैंठ ओवैसी ने लिखा, ठसंघियों को विकिपीडिया लिंक के साथ छोड़ना क्योंकि इससे अधिक कुछ भी उनके लिए बहुत जटिल हो सकता है।ठ हिंदू पक्ष ने दावा किया है कि वुजुखाना के पास एक शिवलिंग पाया गया था जिसका उपयोग मुस्लिम श्रद्धालु अपनी नमाज से पहले वशीकरण करने के लिए करते हैं। मस्जिद प्रबंधन समिति ने दावा किया कि जिस वस्तु को हिंदू पक्ष शिवलिंग होने का दावा करता है, वह वुजुखाना के पानी के फव्वारे तंत्र का हिस्सा है।

विश्व हिंदू परिषद के प्रमुख आलोक कुमार ने शुक्रवार को दावा किया कि हिंदू पक्ष यह साबित करने में सक्षम होगा कि पाया गया शिवलिंग 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है। उन्होंने कहा, ठहम मानते हैं कि यह शिवलिंग है क्योंकि नंदी इसे देख रहे हैं और स्थान से पता चलता है कि यह मूल ज्योतिर्लिंगों में से एक है। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि अगर यह मामला जटिल और संवेदनशील है और 25-30 साल से अधिक का अनुभव रखने वाला एक वरिष्ठ न्यायिक अधिकारी मामले को संभालता है तो बेहतर है। शीर्ष अदालत ने मामला जिला न्यायाधीश, वाराणसी को स्थानांतरित कर दिया है।

जन हितैषी

पाक-चीन की उड़ी नींद

अमेरिका ने खबर दी है कि भारत जल्द ही रूस से मिले मिसाइल सिस्टम एस-400 को पाकिस्तान और चीन की सीमा पर तैनात करने वाला है। यह सतह से हवा में मार करने वाली दुनिया की सबसे आधुनिक और प्रभावी मिसाइल प्रणाली है। अगर भारत इसे कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर तैनात कर देता है, तो पाकिस्तान चाह कर भी कोई हवाई हमला हमारी सीमा के अंदर नहीं कर पाएगा। अगर उसने हमला किया भी तो यह एक बार में उसके बत्तीस विमानों को मार कर गिरा सकती है। मगर अमेरिका नहीं चाहता था कि भारत रूस से मिसाइल रक्षा प्रणाली खरीदे। अमेरिका दुनिया का सबसे ताकतवर देश है, मगर वह भी एक ब्रह्मास्त्र से खौफ खाता है। वह है रूस का एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली। भारत ने रूस से इसका सौदा किया तो अमेरिका का पारा चढ़ गया। असल में एस-400 की तैनाती का मतलब है, देश की सुरक्षा की गारंटी और इस मिसाइल के प्रहार का मतलब है, आसमान में अभेद्य कवच। यह सतह से हवा में मार करने वाली दुनिया की सबसे आधुनिक और प्रभावी मिसाइल प्रणाली है। अगर भारत मिसाइल रक्षा प्रणाली को कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर तैनात कर देता है, तो पाकिस्तान चाह कर भी कोई हवाई हमला हमारी सीमा के अंदर नहीं कर पाएगा। अगर उसने हमला किया भी तो यह एक बार में उसके 32 विमानों को मार कर गिरा सकता है। इस रक्षा प्रणाली का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष है सीमा पर इस रक्षा प्रणाली की तैनाती से चीन और पाकिस्तान पर होने वाला असर, क्योंकि यही हमारे दुश्मन देश हैं। मगर अमेरिका नहीं चाहता था कि भारत रूस से यह मिसाइल रक्षा प्रणाली खरीदे। इस संबंध में अमेरिका में 2017 में एक कानून लाया गया था, ताकि अगर कोई देश विरोध के बावजूद रूस से कोई रक्षा सौदा करता है तो उस पर प्रतिबंध लगा दिया जाएगा। सवाल है कि क्या अमेरिका अब भारत पर भी प्रतिबंध लगाएगा? भारत को एस-400 की कुल पांच रेजीमेंट मिलने वाली हैं, जिनमें पांच मोबाइल कमांड सेंटर, दस रडार और दस लांचर होंगे। यानी पाकिस्तान और चीन भारत पर हवाई हमला करने के बारे में अब शायद सोच भी नहीं पाएंगे। अमेरिका शुरू से ही नहीं चाहता था कि भारत कभी रूस से इस मिसाइल रक्षा प्रणाली को खरीदे। अमेरिका में 2017 में एक कानून आया था कि अगर कोई देश रूस के साथ हथियारों का सौदा करता है तो उसे प्रतिबंधित कर दिया जाएगा। इस कानून को वहां 'काउंटरिंग अमेरिकाज एडवर्सरीज थ्रू सैंक्शंस एक्टळ कहते हैं। अमेरिका ने यह कानून हथियारों के निर्यात में रूस को कमजोर करने के लिए बनाया था। अभी पूरी दुनिया में हथियारों का सबसे ज्यादा 37 प्रतिशत निर्यात अमेरिका करता है। रूस की हथियारों के बाजार में हिस्सेदारी बीस प्रतिशत के आसपास है। 2018 में जब चीन ने रूस से यही एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली खरीदी, तो अमेरिका ने चीन पर प्रतिबंध लगा दिए थे। इसी तरह तुर्की ने भी यह प्रणाली खरीदी, तो अमेरिका ने उस पर कई कड़े प्रतिबंध लगा दिए थे। अमेरिका ने उसका निर्यात लाइसेंस रद्द करके उसे काली सूची में डाल और उसकी परिसंपत्तियों को जब्त कर लिया था। संभव है कि भारत के मामले में भी कुछ समय बाद अमेरिका इसी तरह के कदम उठाए। हालांकि भारत के मामले में अपवाद की स्थिति भी बन सकती है। डोनाल्ड ट्रंप ने संसद में एक कानून पास करवाया था, जिसके तहत अमेरिका ने उन देशों को प्रतिबंध लगाने वाले कानून से छूट दे दी थी, जो पहले से रूस से रक्षा संबंधी लेनदेन कर रहे थे। भारत के संदर्भ में यह कानून लागू होता है, क्योंकि आज भी भारत के पास ज्यादातर हथियार रूस के हैं। 1960 के दशक से ही रूस भारत का सबसे बड़ा रक्षा सहयोगी रहा है।

भारतीय रेल के नार्दन रेलवे द्वारा की गई नई पहल

भारतीय रेल में यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए एक अच्छी खबर आ रही है। यह खबर विशेष रूप से उनके लिए है जो अपने परिवार के सदस्यों के साथ अक्सर यात्रा करते है ' विशेष रूप से जब आप के संग इस यात्रा में शिशु यात्री हो ' शिशु की मॉ इस यात्रा के दौरान सोते समय बार बार जगह अपने बच्चे की सुरक्षा को चिन्तित रहती है।भारतीय रेल ने माँ व उनके बच्चे के लिए सुविधा को ध्यान में रखते हुए एक नई पहल की है।भारतीय रेलवे के इस नई पहल में छोटे बच्चो के लिए होगी बेबी सीट की शुरुआत की गई है। इस नये प्रयोग करते हुए विगत दिनों लखनऊ मेल के वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के बी-4 कोच मे सीट नं ।बर 12 और 60 को प्रयोगात्मक रूप में स्पेशल डिजाइन के रूप विकसित किया गया है।

आप को बता दे कि इन दोनो सीटो से एक (बेवी)छोटी सीट को जोड़ा गया है।दिन के समय इस बेबी सीट को फोल्ड किया जा सकता है।इस बेवी सीट को सुरक्षा की दृष्टि से इसमें एक रेलिंग व शेफ्टी बेल्ट भी लगाई गई है।जिससे कोई बच्चा सीट से नीचे गिर न सके।फिलहाल यह नई व्यवस्था लखनऊ मेल मे प्रयोग के तौर पर ऐ सी की दो सीटों में लगायी गयी है।

भारतीय रेल इस बेबी सीट पर लोगो से फिड़बैक लिया जा रहा है।ताकि आने वाले दिनों में रेलवे इस नये परियोजना को कियान्वयन कर रेल मे सफर करने वाले मातृ - शिशु यात्रियों को सुविधा प्रदान कर सके ।

इस नये परियोजना के बारे में नॉर्दर्न रेलवे से मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी(सीपीआरओ)दीपक कुमार के अनुसार इस सीट के बारे मे रेलवे यात्रियों से फीडबैक लिया जा रहा है।यात्रियों द्वारा उपलब्ध कराये गये फीडबैक के आधार पर ये तय किया जायेगा कि भविष्य में कितनी सीटे बढ़ानी है या नही।यात्रियों के मन में कई ज्वलंत प्रशन है कि रेलवे यदि भविष्य मे सीटे बढ़ायी जायेंगी तो इसकी अलग से बुकिंग की ऑनलाइन व्यवस्था भी की जायेगी। आरक्षण शुल्क के रूप रेलवे सुविधा उपलब्ध कराने के लिए क्या - क्या शर्ते व शुल्क वसुल करेगी ।

विगत दिनों मातृ दिवस के अवसर पर यह नई पहल की गई है। इस सीट की सुविधा लेने के टीटीई से संपर्क कर कर वेबी सीट की सुविधा ली जा सकती है। इस व्यवस्था लागु करने से लखनऊ मेल देश की ऐसी पहली ट्रेन बन गयी है जिसमें नवजात बच्चों के लेटने के लिए अलग से वेबी सीट लगायी गयी है।इस सीट की सुविधा लेने के लिए यात्री को फिलहाल अलग से कोई अतिरिक्त किराया नहीं देना पड़ेगा ।बता दें कि इस सीट की अग्रमि बुकिंग नहीं की जा रही है ।ट्रेन मे यात्रा के दौरान यदि किसी मां को अपने नवजात बच्चे के साथ इस सीट की अवश्यकता होगी तो वह टीटीई से सम्पर्क करके इस सीट की सुविधा ले सकेगी।टीटीई उस सीट की बुकिंग वाले व्यक्ति से निवेदन करके नवजात बच्चे के साथ यात्रा करने वाली माँ को सीट दिलवा देंगे।

भारतीय रेलवे द्वारा किये इस नये प्रयोग की सफलता - विफलता तो रेलवे यात्रियों के दिये गये फीडबैक् पर निंभर करेगा कि वेबी सीट की संख्या किस-किस ट्रेन में कितनी कोच में संख्या क्या होगी जो कि अतीत के गर्भ में है।फिलहाल में आप से यह कहते हुए विदा लेते है कि - ना ही काहुँ से दोस्ती,ना ही काहुँ से बैर । (लेखक-- विनोद तकियावाला⁄ ईएमएस)

दैनिक पंचांग

22 मई 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

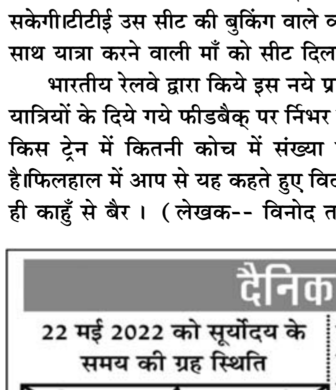

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	06.53 बजे से
चंद्र	मकर में	कर्क	09.07 बजे से
मंगल	मीन में	सिंह	11.23 बजे से
बुध	वृष में	कन्या	13.35 बजे से
गुरु	मीन में	तुला	15.46 बजे से
शुक्र	मीन में	वृश्चिक	18.00 ब.से
शनि	कुंभ में	धनु	20.16 बजे से
राहु	मेष में	मकर	22.21 बजे से
केतु	तुला में	कुंभ	00.08 बजे से
राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक		मीन	01.41 बजे से
		मेष	03.11 बजे से
		वृष	04.51 बजे से

रविवार 2022 वर्ष का 142 वां दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2079 **शक संवत्** 1944 **मास** ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** सप्तमी 13.00 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** धनिष्ठा 22.47 बजे को समाप्त। **योग** ब्रह्म 05.21 बजे तदनन्तर इन्द्र 02.59 बजे रात्र को समाप्त। **करण** बव 13.00 बजे तदनन्तर बालव 00.13 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 21.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 20° 20' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1871256 **जूलियन दिन** 2459721.5 **कलियुग संवत्** 5123 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2548 **हिजरी सन्** 1443 **महीना** सव्वाल **तारीख** 20 **विशेष** भानु सप्तमी, राजा राममोहन राय जयंती।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
उद्वेग	05.56 से	07.23	बजे तक	शुभ	05.36 से	07.09	बजे तक
चर	07.23 से	08.51	बजे तक	अमृत	07.09 से	08.41	बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18	बजे तक	चर	08.41 से	10.14	बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46	बजे तक	रोग	10.14 से	11.46	बजे तक
काल	11.46 से	01.14	बजे तक	काल	11.46 से	01.19	बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41	बजे तक	लाभ	01.19 से	02.51	बजे तक
रोग	02.41 से	04.09	बजे तक	उद्वेग	02.51 से	04.24	बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36	बजे तक	शुभ	04.24 से	05.53	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

राजनीति से परे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी की सरकार के 8 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं । अष्ट पूर्ति के इस वर्ष को भारतीय जनता पार्टी सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण वर्ष के रूप में संपूर्ण देश में मना रही है । सुदूर ग्रामीण एवं वनवासी क्षेत्र में फैले समाज तक मोदी सरकार के संदेश को पहुंचाने के लिए भाजपा के लाखों कार्यकर्ता 15 दिन तक सक्रिय रहेंगे । प्रतिष्ठित नागरिक, किसान, महिला, अनुसूचित जाति, जनजाति एवं अल्पसंख्यक समाज तक अनेकों प्रकार के कार्यक्रमों के माध्यम से गरीब कल्याण के संदेश को पहुंचाने का यह कार्य संपन्न होगा । देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले बड़े प्रकल्पों का दर्शन युवाओं को कराने के लिए विकास तीर्थ यात्राओं का भी आयोजन होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के द्वारा गत 8 वर्षों में देश के उत्थान के लिए अनेक अनुकरणीय पहल हुई है । मोदी जी के हृदय की संवेदना, उनकी सक्रियता, विकास के प्रति उनकी विशिष्ट दृष्टि, समस्याओं का सूक्ष्म अध्ययन, उचित समय पर उचित निर्णय आदि अनेक गुण उनको शेष से कुछ अलग एवं विशेष बनाते हैं । राजनीतिक नेता एवं दल का स्वभाव सामान्यतः एक चुनाव से दूसरे चुनाव तक सोचना, येन-केन प्रकारेण चुनाव जीतने तक रहता है। इसी कारण लोकलुभावन वायदे एवं योजनाएं ही राजनीतिक दल बनाते हैं । लेकिन मोदी जी ने 8 वर्षों में अनेक ऐसे निर्णय लिए हैं जिन्हें आगामी दशकों तक समाज स्मरण करेगा। इन्हीं निर्णयों एवं कार्यों के कारण देश मोदी जी की सरकार को ठवरदानठ मानता है ।

कोई भी देश तभी आगे बढ़ सकता है जब वहां के सभी नागरिक दैनिक जीवन में अनुशासन का पालन करते हुए अपने कर्तव्य का निर्वाह करें। अपने भाग्य का निर्णय कुछ नेताओं और दलों को सौपकर आलोचक वृत्ति अपनाने से आज तक कोई भी देश दुनिया में आगे नहीं बढ़ा। इसी सिद्धांत का स्मरण पूर्व राष्ट्रपति डॉ0 एपीजे अब्दुल कलाम हमको कराते थे। वे कहते थे कि भारत का नागरिक जब विदेश में जाकर वहां के नियमों का पालन कर सकता है, तब वही नागरिक भारत में आकर अपने हाथ का कचरा सड़क पर क्यों फेंकता है । मोदी जी ने स्वच्छता अभियान के माध्यम से संपूर्ण नागरिकों में इस कर्तव्य भाव को जगाया है । आज संपूर्ण देश में इसकी अनुभूति छोटे बच्चे से लेकर वृद्ध तक में की जा सकती है । हम अपने सार्वजनिक स्थलों में इस परिवर्तन को प्रत्यक्ष देख सकते हैं।

समाज में घटता लिंगानुपात संपूर्ण समाज के लिए एक विकट समस्या उत्पन्न कर सकता है । यह समस्या किसी एक दल की न होकर संपूर्ण समाज की है, इसका अनुभव करते हुए मोदी जी ने ठबेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओठ के माध्यम से इसका समाधान का मार्ग सुझाया । सेल्फी विथ डॉटर, सुकन्या समृद्धि योजना आदि अनेक योजनाओं का परिणाम है कि लिंगानुपात में गुणात्मक परिवर्तन तो आया ही है, साथ ही साथ कन्या भ्रूण हत्या में कमी, शिक्षा, महिलाओं के प्रति सम्मान, बराबरी का अधिकार, निर्णयों में भागीदारी भी बढ़ी है । समाज में महिलाओं के प्रति देखने की दृष्टि में ही परिवर्तन हुआ है। उदाहरण ही देना हो तो मऊ जनपद (उत्तर प्रदेश) में लिंगानुपात 2014-15 694 से बढ़कर 2019-20 में 951 हुआ।

नमामि गंगे योजना से केवल गंगा ही नहीं, संपूर्ण देश की नदियों, जल एवं पर्यावरण के प्रति समाज की दृष्टि में परिवर्तन हुआ है। जल का सीमित उपयोग, जल की एक-एक बूंद का प्रयोग, जलसंधारण आदि सभी के प्रति जागरूकता आयी है। स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव वर्ष में प्रत्येक जिले में 75 अमृत सरोवर हमारे देश की जल की समस्या के समाधान में सहायक होंगे। रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के प्रयोग से की हुई खेती से उत्पन्न अन्न हमको बीमार बना रहा है। उत्तम स्वास्थ्य के लिए जैविक, प्राकृतिक खेती एवं गौ आधारित कृषि का बढ़ावा हमारे लिए अचूक रामबाण उपाय सिद्ध होगा। अर्थ संकल्प में स्वीकृत अब गंगा के किनारे 5 किलोमीटर का गलियारा प्राकृतिक खेती के लिए होगा एवं 20 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल जैविक खेती से युक्त होगा ।

भ्रष्टाचार हमारे देश को दीमक की तरह खा रहा है । मोदी जी का यह संकल्प ठन खाऊंगा, न खाने दूंगाठ उनके पारदर्शी, सुशासन के प्रति प्रतिबद्धता के संकल्प का स्मरण कराता है । भ्रष्टाचार रोकने के लिए तकनीक का प्रयोग, ई-बैंकिंग व्यवस्था, डीबीटी स्कीम सहायक बनी है । अब उचित व्यक्ति तक निश्चित धनराशि पहुच रही है । विकास श्रृंखला में आकांक्षी जिलों का विकास उनकी विकास के प्रति एक अलग दृष्टि को प्रकट करता है ।

चिकित्सा क्षेत्र में आयुर्वेद का विकास एक सराहनीय पहल है । कोरोना के अनुभव ने आयुर्वेद को वैश्विक स्वास्थ्य समाधान के रूप में स्थापित किया है । आयुर्वेद में बजट का बढ़ाना, आयुर्वेद पर शोध एवं आयुर्वेद पर्यटन के माध्यम से विश्व भर में आयुर्वेद को स्थापित किया जा रहा है । आयुर्वेद के साथ ही साथ योग अब विश्व भर में लोकप्रिय विषय बना है। वैश्विक मांग की पूर्ति के लिए प्रशिक्षित योग सेना तैयार करने का प्रयास हो रहा है । 21 जून योग दिवस अब विश्व भर में स्थापित हुआ है। मास्को से माले तक 19 मिशनों एवं वाणिज्य दूतावासों में योग की शिक्षकों की नियुक्ति हुई है।

देशभर में खादी खरीदने के आग्रह के परिणाम स्वरूप खादी की बिक्री बढ़ी है । खादी के माध्यम से स्वदेशी, कुटीर उद्योग एवं रोजगार आदि सभी क्षेत्रों में लाभ हुआ है । कांग्रेस केवल खादी के नारे ही लगाती रही, मोदी जी ने पुनः देश में खादी को स्थापित कर दिया । 2014 में 66.81 लाख रुपये की बिक्री हुई , वही 13 नवंबर 2020 एक ही दिन में 111.40 लाख रुपये की बिक्री हुई है ।

देश में उत्कृष्ट एवं रचनात्मक कार्यों के प्रोत्साहन के लिए पदम पुरस्कार महामहिम राष्ट्रपति जी द्वारा दिए जाते हैं । कुछ दशकों पूर्व पदम पुरस्कार का राजनीतिकरण विवाद का विषय बना था । प्रधानमंत्री मोदी जी ने इस प्रक्रिया को बदला । अब पुरस्कार के लिए व्यक्ति की पहचान नहीं बल्कि उसके कार्य की पहचान आधार बन गया है । अब किसानों, गांव एवं कस्बों में रहने वाले गुमनाम लोग को पदम पुरस्कारों से सम्मानित किया जा रहा हैं। मैला ढोने वाली अलवर राजस्थान की महिला उषा चौहान पदम श्री पाकर अपने को गौरवान्वित अनुभव कर रही हैं ।

देश में लाल बत्ती के उपयोग पर प्रतिबंध लगाकर वीआईपी होने की मानसिकता पर ही मोदी जी ने प्रहार किया । उनका मानना है कि जिस नियम एवं अनुशासन के पालन की अपेक्षा सभी देश के नागरिकों से है, वही जनप्रतिनिधि को भी पालन करना चाहिए । जनप्रतिनिधि सेवा भाव से ही विचार करें इसका संदेश भी स्वयं मेट्रो ट्रेन मे यात्रा करके मोदी जी ने दिया है । समाज की कसौटी पर खरा उतरना, सदैव जवाब देह रहना जनप्रतिनिधियों को मोदी जी का सतत संदेश है ।

परिवारवाद लोकतंत्र के लिए खतरा है । इस कारण परिवारवाद पर प्रहार करते हुए लोकतंत्र को समृद्ध करने के प्रयास हुए है । नई पीढ़ी को समाविष्ट करने के लिए युवाओं को आगे लाना, न्यू इंडिया के मोदी जी के संकल्प को समृद्ध करता है ।

मन की बात देशभर में सकारात्मक ऊर्जा संचार का माध्यम बनी है अच्छे व्यक्तियों के कार्यों को आगे लाना, सकारात्मक प्रयोगों की चर्चा, उत्सवों का महत्व, महापुरुषों के प्रति श्रद्धा आदि विषय समाज के सामने मन की बात के माध्यम से आए हैं । युवाओं को प्रेरणा देने वाले अनेक प्रयोगो की चर्चा, मन की बात में हुई है । एक भारत- श्रेष्ठ भारत का भाव जगा है । धारा 370 एवं 35-ए हटाकर देश की एकता को सुदृढ़ करने का ऐतिहासिक कार्य हुआ है ।

हमारी सनातन संस्कृति का लोक कल्याणकारी स्वरूप विश्व के प्रति हमारा वसुधैव कुटुंबकम का संदेश अपने भाषणों के माध्यम से सदैव विश्व भर में मोदी जी ने दिया है । अपने श्रद्धा स्थानों को पुनः स्थापित करने के अनेक उदाहरण जैसे श्री राम मंदिर का निर्माण, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का निर्माण, बाबा केदारनाथ का सौन्दर्यकरण जगतगुरु आदि शंकराचार्य जी की प्रतिमा की प्रतिष्ठा का माध्यम मोदी जी बने हैं । सभी मतावलम्बियो के श्रद्धा स्थानों पर जाकर श्रद्धा व्यक्त करने का मोदी जी का प्रयास सांस्कृतिक एकता को स्थापित करता है। विद्वानों का मानना है कि सांस्कृतिक पुनरुत्थान का जो प्रयास महारानी अहिल्याबाई ने आज से लगभग 300 वर्ष पहले किया था वही इस सदी में मोदी जी के द्वारा हो रहा है ।

8 वर्षो की शासन अवधि में समाज जागरण, देशभक्ति का उद्घोष, विकास की नियोजित दृष्टि , भारत को आगे बढ़ाने की ललक सामान्य नागरिक में मोदी जी ने जगाई है । विश्व भर मे फैले भारतीयों को भारत से जोड़ना एवं विश्व में भारत की प्रतिष्ठा को स्थापित करने का अद्वितीय कार्य मोदी जी के द्वारा हुआ है । सांस्कृतिक जागरण का जो कार्य मोदी जी के द्वारा हुआ है, उसकी अनुगूंज दशकों तक सुनाई देगी। (लेखक-- विनोद तकियावाला⁄ ईएमएस) (लेखक भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री हैं)

आज का इतिहास 22 मई

1498 वास्कोडिगामा ने कालीकट के जमोरिन से मुलाकात की.
1545 शेर शाह का निधन.
1722 प्रसिद्ध समाज सुधारक राम मोहन राय का जन्म हुआ.
1822 अमरीका और कोरिया ने शांति संधि की.
1833 चिली के संविधान ने राष्ट्रपति को व्यापक अधिकार देने के साथ रोमन कैथोलिजम को राजधर्म बनाया.
1859 अंग्रेजी भाषा के लेखक सर आर्थर कानन डायल का जन्म हुआ.
1914 ब्रिटेन ने फारस की खाड़ी में एंग्लो तेल कंपनी की संपत्ति पर कब्जा कर लिया.
1936 लार्ड ब्रेवोर्न ने मुबंई के ब्रेनाई स्टेडियम की आधारशिला रखी.
1939 जर्मनी के एडोल्फ हिटलर और इटली के बेनिटो मुसोलिनी ने दस वर्षीय राजनीतिक और सैन्य समझौता किया.
1965 भारत के पहले ग्लाइडर रोहिणी ने आकाश में उड़ान भरी.
1967 ब्रिटेन के खिलाफ हांगकांग में कम्युनिस्ट ने दंगा भड़काया.
1975 रोडेशिया को नस्ली भेदभाव के कारण ओलंपिक आंदोलन से निष्कासित किया गया.
1985 बेरुत में एक कार बम विस्फोट में 60 व्यक्ति मारे गए और 190 अन्य घायल हो गए.
1989 भारत ने सतह से सतह पर मार करने वाले प्रक्षेपास्त्र का सफल परीक्षण किया.
1996 पी.ए.संगमा लोकसभा के अध्यक्ष निर्वाचित.
1997 मध्यप्रदेश में भूकंप से तबाही जबलपुर शहर में 50 लोगों की मृत्यु अनेक घायल.
1999 राज्यसभा सदस्य सुरेश कलमाड़ी कांग्रेस में लौटे.
2004 मनमोहन सिंह भारत के नये प्रधानमंत्री बने.

बेहद जरूरी है संकटग्रस्त जैव प्रजातियों का संरक्षण

(अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस (22 मई) पर विशेष)

मनुष्यों की ही भांति जीव-जंतु तथा पेड़-पौधे भी धरती के अभिन्न अंग हैं लेकिन अपने निहित स्वार्थों तथा विकास के नाम पर मनुष्य ने न केवल वन्यजीवों के प्राकृतिक आवासों को बेदर्दी से उजाड़ने में बड़ी भूमिका निभाई है और वनस्पतियों का भी तेजी से सफाया किया है। धरती पर अपना अस्तित्व बनाए रखने के लिए मनुष्य को प्रकृति प्रदत्त उन सभी चीजों का आपसी संतुलन बनाए रखने की जरूरत होती है, जो उसे प्राकृतिक रूप से मिलती हैं। इसी को पारिस्थितिकी तंत्र या इकोसिस्टम भी कहा जाता है लेकिन चिंतनीय स्थिति यह है कि धरती पर अब वन्य जीवों तथा दुर्लभ वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों का जीवनचक्र संकट में है। वन्यजीवों की असंख्य प्रजातियां या तो लुप्त हो चुकी हैं या लुप्त होने के कगार पर हैं। पर्यावरणीय संकट के चलते जहां दुनियाभर में जीवों की अनेक प्रजातियों के लुप्त होने से वन्य जीवों की विविधता का बड़े स्तर पर सफाया हुआ है, वहीं हजारों प्रजातियों के अस्तित्व पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। यही स्थिति वनस्पतियों के मामले में भी है। वन्य जीव-जंतु और उनकी विविधता धरती पर अरबों वर्षों से हो रहे जीवन के सतत् विकास की प्रक्रिया का आधार रहे हैं। वन्य जीवन में ऐसी वनस्पति और जीव-जंतु सम्मिलित होते हैं, जिनका पालन-पोषण मनुष्यों द्वारा नहीं किया जाता। आज मानवीय क्रियाकलापों तथा अतिक्रमण के अलावा प्रदूषिण वातावरण और प्रकृति के बदलते मिजाज के कारण भी दुनियाभर में जीव-जंतुओं तथा वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों के अस्तित्व पर दुनियाभर में संकट के बादल मंडरा रहे हैं।

'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक में मैंने विस्तार से यह उल्लेख किया है कि विभिन्न वनस्पतियों और जीव-जंतुओं की संख्या में कमी आने से समग्र पर्यावरण किस प्रकार असंतुलित होता है। दरअसल विभिन्न वनस्पतियों और जीव-जंतुओं की संख्या में कमी आने से समग्र पर्यावरण जिस प्रकार असंतुलित हो रहा है, वह पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय बना है। पर्यावरण के इसी असंतुलन का परिणाम पूरी दुनिया पिछले कुछ दशकों से गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं और प्राकृतिक आपदाओं के रूप में देख और भुगत भी रही है। लगभग हर देश में कुछ ऐसे जीव-जंतु और पेड़-पौधे पाए जाते हैं, जो उस देश की जलवायु की विशेष पहचान होते हैं लेकिन जंगलों की अंधाधुंध कटाई तथा अन्य मानवीय गतिविधियों के चलते जीव-जंतुओं के आशियाने लगातार बड़े पैमाने पर उजड़ रहे हैं, वहीं वनस्पतियों की कई प्रजातियों का भी अस्तित्व मिट रहा है। हालांकि जीव-जंतुओं तथा पेड़-पौधों की विविधता से ही पृथ्वी का प्राकृतिक सौन्दर्य है, इसलिए भी लुप्तप्राय: पौधों और जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियों की उनके प्राकृतिक निवास स्थान के साथ रक्षा करना पर्यावरण संतुलन के लिए भी बेहद जरूरी है। इसीलिए पृथ्वी पर मौजूद जीव-जंतुओं तथा पेड़-पौधों के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए तथा जैव विविधता के मुद्दों के बारे में लोगों में जागरूकता और समझ बढ़ाने के लिए प्रतिवर्ष 22 मई को अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस मनाया जाता है। 20 दिसम्बर 2000 को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा प्रस्ताव पारित करके इसे मनाने की शुरूआत की गई थी। इस प्रस्ताव पर 193 देशों द्वारा हस्ताक्षर किए गए थे। दरअसल 22 मई 1992 को नैरोबी एक्ट में जैव विविधता पर अभिसमय के पाठ को स्वीकार किया गया था, इसीलिए यह दिवस मनाने के लिए 22 मई का दिन ही निर्धारित किया गया।

धरती पर पेड़-पौधों की संख्या बड़ी तेजी से घटने के कारण अनेक जानवरों और पक्षियों से उनके आशियाने छिन रहे हैं, जिससे उनका जीवन संकट में पड़ रहा है। पर्यावरण विशेषज्ञों का स्पष्ट कहना है कि यदि इस ओर जल्दी ही ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले समय में स्थितियां इतनी खतरनाक हो जाएंगी कि धरती से पेड़-पौधों तथा जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियां विलुप्त होकर सदा के इतिहास के पन्नों का हिस्सा बन जाएंगी। माना कि धरती पर मानव की बढ़ती जरूरतों और सुविधाओं की पूर्ति के लिए विकास आवश्यक है लेकिन यह हमें ही तय करना होगा कि विकास के इस दौर में पर्यावरण तथा जीव-जंतुओं के लिए खतरा उत्पन्न न हो। अगर विकास के नाम पर वनों की बड़े पैमाने पर कटाई के साथ-साथ जीव-जंतुओं तथा पक्षियों से उनके आवास छीने जाते रहे और ये प्रजातियां धीरे-धीरे धरती से एक-एक कर लुप्त होती गई तो भविष्य में उससे उत्पन्न होने वाली भयावह समस्याओं और खतरों का सामना हमें ही करना होगा। दरअसल बढ़ती आबादी तथा जंगलों के तेजी से होते शहरीकरण ने मनुष्य को इतना स्वार्थी बना दिया है कि वह प्रकृति प्रदत्त उन साधनों के स्रोतों को भूल चुका है, जिनके बिना उसका जीवन ही असंभव है। आज अगर खेतों में कीटों को मारकर खाने वाले चिड़िया, मोर, तीतर, बटेर, कौआ, बाज, गिद्ध जैसे किसानों के हितैषी माने जाने वाले पक्षी भी तेजी से लुप्त होने के कगार हैं तो हमें आसानी से समझ लेना चाहिए कि हम भयावह खतरे की ओर आगे बढ़ रहे हैं और हमें अब समय रहते सचेत हो जाना चाहिए। जैव विविधता की समृद्धि ही धरती को रहने तथा जीवनयापन के योग्य बनाती है, इसलिए लुप्तप्राय: पौधों और जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियों की उनके प्राकृतिक निवास स्थान के साथ रक्षा करना पर्यावरण संतुलन के लिए भी बेहद जरूरी है। (लेखक- योगेश कुमार गोयल / ईएमएस)

शब्द पहेली - 7293

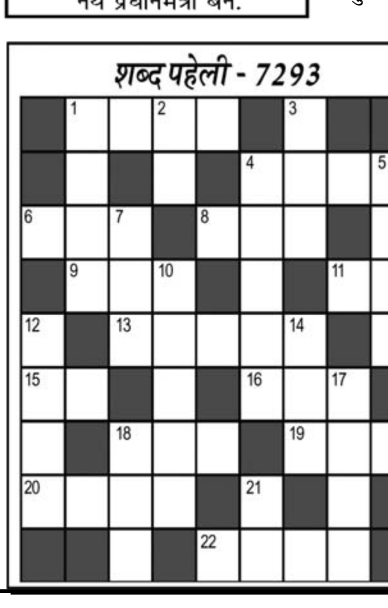

बाएँ से दाएँ

1. ईश्वरीय कृपा-4
4. कुंए पर पानी भरने का चबूतरा-4
6. दुर्बल का विलोम-3
8. सुनसान,नीरव-3
9. प्रेम प्रतिद्वंदी (उर्दू-3)
11. घोषवाक्य-2
13. चित्रपट,मायानगरी -3,2
15. सूर्य,भास्कर-2
16. उपनदी,कैनाल-3
18. व्यंग,परिहास-3
19. कौर,ग्रास-3
20. दफन करना-4
22. भूल,असावधानी-4

ऊपर से नीचे

1. अगुवा,रास्ता दिखाने वाला-4
2. सरुर,नशा,गरुर-2
3. चिंतन,विचारना-3
4. परजन भावना,गैरपन-5
5. भिड़ना,मुठभेड़-4
7. रेखा,लाईन-3
10. झाग बनना-5
12. सीमा,हद,बॉर्डर-4
14. शाखा,डाली-3
17. रिवाज,परंपरा-4
18. पाबंदी,रोक-3
21. स्वच्छ-2

शब्द पहेली -7292 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल-समाचार

भारत के पूर्व कबड्डी खिलाड़ी उदय चौटा का निधन

मेंगलुरु (ईएमएस)। भारत के पूर्व कबड्डी खिलाड़ी उदय चौटा का बीमारी के बाद शनिवार तड़के निधन हो गया। उदय ने 2007 कबड्डी विश्व कप में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। उन्होंने कर्नाटक सरकार द्वारा स्थापित प्रतिष्ठित एकलव्य पुरस्कार के अलावा राज्य और जिला स्तर के कई सम्मान हासिल किये थे। उनके परिवार में पत्नी, एक बेटा और एक बेटी है। करीबी सूत्रों के मुताबिक, उन्हें 'ब्रेन हैमरेज' हुआ था और वे कुछ समय से अस्वस्थ थे।

महिला प्रो लीग के लिए सविता की अगुवाई में टीम की घोषणा की

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत ने जून में बेल्जियम और नीदरलैंड में होने वाले एफआईएच (अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ) प्रो लीग मैचों के यूरोपीय चरण के लिए शनिवार को सविता पूनिया के नेतृत्व में 24 सदस्यीय महिला हॉकी टीम की घोषणा की। भारतीय टीम स्पेन और नीदरलैंड में एक से 17 जुलाई तक होने वाले एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप से पहले 11 से 22 जून तक प्रो लीग के छह मैच खेलेगी। भारतीय टीम 11 और 12 जून को एंटवर्प में मेजबान बेल्जियम के खिलाफ खेलने के बाद नीदरलैंड के रॉटरडैम में अर्जेंटीना (18 और 19 जून) और अमेरिका (21 और 22 जून) का सामना करेगी।

सविता टीम का नेतृत्व करना जारी रखेगी, हालांकि स्टार स्ट्राइकर और पूर्व कप्तान रानी रामपाल के तोक्यो ओलंपिक के बाद पहली बार मैदान पर उतरने के लिए तैयार है। हैमस्ट्रिंग की चोट से परेशान रानी लंबे समय से रिहैबिलिटेशन में थीं। उन्हें पिछले महीने नीदरलैंड्स के खिलाफ भुवनेश्वर में एफआईएच प्रो लीग के आखिरी दो मैचों के लिए टीम में शामिल किया गया था, लेकिन वह नहीं खेल सकी थी। अनुभवी डिफेंडर दीप ग्रेस एक्का टीम की उप कप्तान होंगी जिसमें बिचु देवी खरीबाम, इशिका चौधरी, अक्षता अबसो ढेकाले, बलजीत कौर, संगीता कुमारी और दीपिका जैसे जूनियर विश्व कप सितारे भी हैं।

स्विट्जरलैंड में चार और पांच जून को होने वाली 'एफआईएच महिला हॉकी 5' में भारतीय टीम की कप्तान और उपकप्तान क्रमशः रजनी एतिमारपु और महिमा चौधरी के अलावा राजविंदर कौर को स्टैंडबाय के तौर पर रखा गया है। टीम की मुख्य कोच जेनेके शोपमैन ने कहा, यह यूरोप में प्रो लीग मैचों का एक बहुत ही महत्वपूर्ण चरण होने जा रहा है, क्योंकि इससे जुलाई में होने वाले विश्व कप की तैयारियों के बारे में पता लगेगा। कोच शोपमैन ने कहा, ये मैच विश्व कप के लिए हमारी टीम को अंतिम रूप देने में भी महत्वपूर्ण होने जा रहे हैं।''भारतीय टीम प्रो लीग की तालिका में आठ मैचों में 22 अंक (चार जीत, तीन ड्रॉ और एक हार) के साथ दूसरे स्थान पर है। अर्जेंटीना की टीम शीर्ष पर है। टीमः

गोलकीपरः सविता (कप्तान), बिचू देवी खरीबाम

डिफेंडरः दीप ग्रेस एक्का (उप-कप्तान), गुरजीत कौर, निक्की प्रधान, उदिता, इशिका चौधरी, अक्षता अबसो ढेकाले

मिडफील्डरः निशा, सुशीला चानू पुखरामबम, मोनिका, नेहा, ज्योति, नवजोत कौर, सोनिका, सलीमा टेटे, बलजीत कौर

फॉरवर्डः वंदना कटारिया, लालरेम्सियामी, नवनीत कौर, शर्मिला देवी, संगीता कुमारी, दीपिका, रानी।

सेमीफाइनल में जेन यु फेई से पराजित होकर थाईलैंड ओपन से बाहर हुईं पीवी सिंधू

बैंकाक (ईएमएस)। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू शनिवार को यहां सेमीफाइनल में ओलंपिक चैम्पियन चेन यु फेई से सीधे मुकाबले में पराजित होकर थाईलैंड ओपन से बाहर हो गईं हैं। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू तीसरी वरीयता प्राप्त चेन से 43 मिनट में 17-21 16-21 से हार गई जिससे उनका सुपर 500 टूर्नामेंट में शानदार सफर खत्म हो गया।

सिंधू चीन की इस खिलाड़ी के खिलाफ दमदार प्रदर्शन नहीं कर सकीं। जबकि, चेन ने आक्रामक बैडमिंटन खेलकर आसानी से जीत हासिल कर ली। हैदराबाद की 26 वर्षीय खिलाड़ी को पिछली बार चेन से 2019 बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स में हार मिली थी। सिंधू पहले गेम में 3-3 की बराबरी के बाद ब्रेक तक 7-11 से पिछड़ रही थीं। चेन ने रैलियों से दबदबा बनाना जारी रखा और पांच गेम प्वाइंट बरकरार रखे।

सिंधू ने दो गेम प्वाइंट बचाए लेकिन चीनी प्रतिद्वंद्वी ने पहला गेम आसानी से जीत लिया। दुनिया की सातवें नंबर की खिलाड़ी सिंधू ने दूसरे गेम में बेहतर खेल दिखाते हुए 6-3 की बढ़त बना ली और ब्रेक तक दो अंक की बढ़त बनाए रहीं। लेकिन दुनिया की चौथे नंबर की चीन की खिलाड़ी ने जल्द ही गेम पर कब्जा करना शुरू किया और 15-12 से आगे हो लीं। इसके बाद सिंधू लय नहीं पलट सकीं और चेन ने चार मैच प्वाइंट हासिल कर जीत दर्ज की। इस सत्र में सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय और स्विस ओपन में दो सुपर 300 खिताब जीतने वाली सिंधू अब सात से 12 जून तक जकार्ता में होने वाले इंडोनेशिया मास्टर्स सुपर 500 टूर्नामेंट में शिरकत करेंगी।

तीरंदाजी विश्व कप : भारतीय पुरूष कम्पाउंड टीम ने जीता स्वर्ण

ग्वांग्जू (ईएमएस)। भारतीय पुरूष कम्पाउंड तीरंदाजी टीम ने फाइनल में पिछड़ने के बाद वापसी कर फ्रांस को 2 अंक से पछाड़कर विश्व कप चरण में लगातार स्वर्ण पदक जीता। यह विश्व कप के पहले चरण के फाइनल का दोहराव रहा। अभिषेक वर्मा, अमन सैनी और रजत चौहान की तिकड़ी पहले दो दौर में छठी वरीयता प्राप्त प्रतिद्वंद्वी से पिछड़ रही थी। लेकिन तीसरे दौर में भारतीय तिकड़ी ने शानदार प्रदर्शन कर फ्रांस के एड्रियन गोंटियर, जीन फिलिप बलूच और केंटिन बराएर को शिकस्त देकर विश्व कप के दूसरे चरण में स्वर्ण पदक अपनी झोली में डाला। अप्रैल में अंताल्या में हुए पिछले विश्व कप फाइनल में इसी भारतीय तिकड़ी ने फ्रांस को एक अंक से पराजित किया था। भारतीय स्टार कम्पाउंड तीरंदाज वर्मा ने फिर दूसरा पदक अपने नाम किया। उन्होंने अवनीत कौर के साथ मिलकर मिश्रित टीम स्पर्धा में अपने से ऊंची वरीय तुर्की की अमीरकान हाने और आयसे बेरा सुजेर की जोड़ी को हराकर कांस्य पदक जीता। वहीं अवनीत कौर के लिए यह उनका दूसरा कांस्य पदक था जिन्होंने इससे पहले महिला स्पर्धा में टीम कांस्य पदक जीता था।

सुपरबेट रैपिड शतरंज में अरोनियन को हरा विश्वनाथन आनंद ने कायम रखी बढ़त

वारसा (ईएमएस)। पोलैंड में पहले दिन लगातार तीन जीत से खेल की शुरुआत करने वाले भारत के 5 बार के विश्व चैम्पियन 52 वर्षीय विश्वनाथन आनंद ने सुपरबेट रैपिड शतरंज के दूसरे दिन भी अपना शानदार खेल जारी रखते हुए अपनी एकल बढ़त कायम रखी है। आनंद नें सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए यूक्रेन के किरिल सेवचेंकों को सिसिलियन पेलिकान में 38 चालों में पराजित कर दिया, अगले ही राउंड में काले मोहरो से यूएसए के लेवोन अरोनियन पर बिशप ओपनिंग में उन्होने मात्र 24 चालों में धमाकेदार जीत हासिल करते हुए उन्होंने प्रतियोगिता में लगातार पांचवीं जीत दर्ज की।

इसके बाद छठे राउंड मैं मेजबान पोलैंड के यान डूड़ा से फ्रेंच ओपनिंग में आनंद ने बाजी ड्रॉ खेली और फिलहाल वह 11 अंको के साथ पहले स्थान पर चल रहे है, जबकि हंगरी के रिचर्ड रापोर्ट 9 अंको के साथ दूसरे स्थान पर हैं। प्रतियोगिता के अंतिम दिन आनंद रोमानिया के डेविड यूएसए के फबियानों करूआना और हंगरी के रिचर्ड रापोर्ट से मुक़ाबला खेलेंगे।

क्रिकेट को ओलंपिक में शामिल कराने का प्रयास कर रही आईसीसी

मेलबर्न (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के मुख्य कार्यकारी ज्योफ एलार्डिस ने कहा है कि ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल कराने का प्रयास इसलिए किया जा रहा है ताकि इस खेल को दुनिया भर में पहुंचाया जा सके। आईसीसी का लक्ष्य है कि जिन देशों में यह खेल लोकप्रिय नहीं है वहां इसका प्रसार किया जाये।

बर्मिंघम में 2022 के राष्ट्रमंडल खेलों में महिला टी 20 क्रिकेट की शुरुआत के बाद से ही आईसीसी ने इस खेल को ओलंपिक में शामिल करने के लिए प्रयास जारी कर दिये हैं। कुआलालंपुर में 1998 के राष्ट्रमंडल खेलों में पुरुषों की क्रिकेट प्रतियोगिता पहले ही हो गयी है। एलार्डिस ने एक कार्यक्रम में कहा कि हमारे कई सदस्यों का मानना है ओलंपिक खेल के रूप में क्रिकेट को पहचान मिलने से सरकार और राष्ट्रीय ओलंपिक समिति के साथ जुड़ाव और बेहतर होगा। यह सुविधाओं और प्रदर्शन को बेहतर करने के मामले में वास्तव में लाभप्रद रहेगा।

उन्होंने कहा, 'हमारे लिए यह निश्चित रूप से पैसा बनाने का प्रयास नहीं है। हमारी कोशिश इस खेल को ऐसे जगह पहुंचाने की है, जहां यह लोकप्रिय नहीं है।' साथ ही कहा, ' हमारा दूसरा लक्ष्य हमारे सभी 106 सदस्यों को सरकार के साथ करीब से जुड़ने का मौका देना है।' आईसीसी के इस शीर्ष अधिकारी ने कहा कि ओलंपिक का हिस्सा बनना कई सदस्य देशों के लिए संबंधित सरकारों के साथ अच्छे संबंध बनाने की नजर से जरूरी है। उन्होंने कहा, 'कुछ देशों में ओलंपिक में शामिल खेल गैर ओलंपिक खेल की तुलना में अपनी सरकार के अधिक करीब रहते हैं।'

आईसीसी ने पिछले साल ओलंपिक खेलों में क्रिकेट को शामिल करने के लिए बोली लगाने के अपने इरादे को भी इसी दिशा में उठाया एक कदम बताया है।

दो माह में 13 बार बढ़ी सीएनजी की कीमत, एक साल में 60 फीसदी बढ़ोतरी

नई दिल्ली (ईएमएस)। राष्ट्रीय राजधानी में शनिवार को फिर से सीएनजी की कीमतों में दो रुपए प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जो दो महीने में सीएनजी की कीमतों में 13वीं बढ़ोतरी है। इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) की वेबसाइट पर पोस्ट की गई जानकारी के मुताबिक राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सीएनजी की कीमत अब 73.61 रुपए प्रति किलोग्राम से बढ़कर 75।61 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई है।

राष्ट्रीय राजधानी और आसपास के शहर में 7 मार्च के बाद सीएनजी की कीमतों में यह 13वीं बढ़ोतरी है। इस दौरान सीएनजी की कीमत 19.60 रुपये प्रति किलोग्राम बढ़ी है। पिछले एक साल में कीमतों में 32.21 रुपये प्रति किलोग्राम या 60 फीसदी की वृद्धि हुई है। हालांकि, घरेलू रसोई में पाइप से गैस की दर, जिसे पाइप्ड प्राकृतिक गैस (पीएनजी) कहा जाता है, उसकी कीमत 45।86 रुपए प्रति एससीएम ही है।

सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूटर्स पिछले साल अक्टूबर से समय-समय पर कीमतें बढ़ा रहे हैं। इसका मुख्य कारण कोरोना महामारी है, जिसके कारण दुनिया की अर्थव्यवस्था बिगड़ गई है। इसके कारण ही घरेलू और अंतरराष्ट्रीय गैस की कीमतें बढ़ना शुरू हो गई हैं। प्राकृतिक गैस की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में वृद्धिआईजीएल के प्रबंध निदेशक संजय कुमार ने कहा कि प्राकृतिक गैस की अंतरराष्ट्रीय कीमतों के कारण निकट भविष्य में कीमतों में तेजी रहने की संभावना है।

सन 2021 के आखिरी तीन महीनों में सीएनजी की कीमतों में 8।74 रुपए प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी हुई और जनवरी से हर हफ्ते लगभग 50 पैसे प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी हुई। 1 अप्रैल से सरकार द्वारा स्थानीय रूप से उत्पादित प्राकृतिक गैस की कीमत दोगुनी से अधिक 6।1 डॉलर प्रति मिलियन ब्रिटिश थर्मल यूनिट होने के बाद दरें बढ़ गई हैं। घरेलू स्तर पर उत्पादित गैस शहर की गैस की मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है, इसके लिए आयातित ईंधन (एलएनजी) का उपयोग किया जा रहा है। हाजिर या मौजूदा बाजार में एलएनजी की कीमत 18-20 अमेरिकी डॉलर प्रति एमएमबीटीयू है।

वहीं, कंप्रेस्ड होने पर प्राकृतिक गैस ऑटोमोबाइल में ईंधन के रूप में उपयोग के लिए सीएनजी बन जाती है। उसी गैस को खाना पकाने और अन्य उद्देश्यों के लिए घरेलू रसोई और उद्योगों में पाइप किया जाता है। महानगर गैस लिमिटेड (एमजीएल) ने मुंबई में कम्प्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) की कीमत 76 रुपये प्रति किलोग्राम रखी है। वैट जैसे स्थानीय करों के कारण इनकी कीमतें कई शहर में ज्यादा भी हो सकती हैं।

सोने और चांदी की चमक बढ़ी, कीमतों में आया उछाल, सर्राफा बाजार गुलजार

नई दिल्ली (ईएमएस)। सोने की कीमतों में उछाल से भारतीय सर्राफा बाजार गुलजार है। वहीं चांदी भी महंगी हुई है। इस कारोबारी हफ्ते में सोने के भाव में 722 रुपये प्रति 10 ग्राम की तेजी दर्द की गई है जबकि चांदी के भाव में 1962 रुपये प्रति किलोग्राम का उछाल आया है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन यानी आईबीजीए की वेबसाइट के मुताबिक, इस बिजनेस वीक (16 से 20 मई) की शुरुआत में 24 कैरेट सोने का रेट 50,305 था, जो शुक्रवार तक बढ़कर 51,027 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया है। वहीं, 999 शुद्धता वाली चांदी की कीमत 60,042 से बढ़कर 62,004 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया है।

बता दें कि आईबीजीए की ओर से जारी कीमतों से अलग-अलग शुध्दता के सोने के स्टैंडर्ड भाव की जानकारी मिलती है। ये सभी दाम टैक्स और मेकिंग चार्ज के पहले के हैं। आईबीजीए द्वारा जारी किए गए दरें देशभर में सर्वमान्य हैं लेकिन इसकी कीमतों में जीएसटी शामिल नहीं होती है।

उल्लेखनीय है कि देश में सोने का आयात पिछले वित्त वर्ष 2021-22 में 33.34 फीसदी बढ़कर 46.14 अरब डॉलर पर पहुंचा गया। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक वित्त वर्ष 2020-21 में भारत का सोने का आयात 34.62 अरब डॉलर रहा था। गौरतलब है कि जेम्स और ज्वेलरी निर्यात में 2021-22 में तेजी आई है और पिछले वित्त वर्ष की तुलना में यह करीब 55 फीसदी बढ़कर 39.15 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। हाल ही में इंडस्ट्री बॉडी जेम्स एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल यानी जीजेईपीसी ने बताया था कि रत्न एवं आभूषण का ग्रॉस निर्यात 2020-21 में 25.40 अरब डॉलर रहा।

आईपीएल-2022: चेन्नई को मात दे राजस्थान रॉयल्स ने हासिल किया प्लेऑफ टिकट

नई दिल्ली (ईएमएस)। पूर्व चैंपियन राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल के मौजूदा सीजन के प्लेऑफ का टिकट हासिल कर लिया है। संजू सैमसन की कप्तानी वाली टीम ने शुक्रवार को मुंबई के ब्रेबॉर्न स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स को 5 विकेट से मात दी। चेन्नई ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 150 रन बनाए। इसके बाद राजस्थान ने 5 विकेट खोकर 19.4 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। इस तरह चेन्नई की हार के साथ सीजन से विदाई हुई। राजस्थान ने 14 मैचों में 9वीं जीत दर्ज की और 18 अंकों के साथ तालिका में दूसरे स्थान पर रहते हुए प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई किया। राजस्थान रॉयल्स की अब कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में 24 मई को खेले जाने वाले पहले क्वालिफायर में गुजरात टाइटंस से भिड़ंत होगी।

राजस्थान के लिए ओपनर यशस्वी जायसवाल ने सबसे ज्यादा 59 रन बनाए। उन्होंने 44 गेंदों की अपनी पारी में 8 चौके और 1 छक्का जड़ा। उनके अलावा रविचंद्रन अश्विन ने नाबाद 40 रन का योगदान दिया। उन्होंने 23 गेंदों पर 2 चौके और 3 छक्के लगाते हुए जीत में अहम भूमिका निभाई। चेन्नई के लिए प्रशांत सोलंकी ने 2 विकेट लिए जबकि सिमरजीत सिंह, मिचेल सैंटनर और मोईन अली को 1-1 विकेट मिला। 151 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान को पहला झटका जोस बटलर (2) के रूप में लगा। उन्हें सिमरजीत सिंह ने पारी के दूसरे ओवर की चौथी गेंद पर मोईन ने लपका। इसके बाद कप्तान संजू सैमसन और यशस्वी ने दूसरे विकेट के लिए 51 रन जोड़े। इस साझेदारी को मिचेल सैंटनर ने पारी के 9वें ओवर में तोड़ा और तीसरी गेंद पर संजू को कैच कर लिया। संजू ने 20 गेंदों पर 2 चौकों की मदद से 15 रन बनाए।

फिर देवदत्त पडिक्कल (3) को मोईन अली ने बोल्ड किया जिससे राजस्थान का स्कोर 3 विकेट पर 76 रन हो गया। यशस्वी टीम के 104 के स्कोर पर पवेलियन लौटे, उन्हें प्रशांत सोलंकी ने मथीशा पथिराना के हाथों कैच कराया। फिर शिमरोन हेटमायर भी खास नहीं कर सके और सोलंकी के पारी के 17वें ओवर में डेवोन कॉनवे को कैच थमा बैठे। हेटमायर ने 7 गेंद खेलीं और 1 चौके की मदद से 6 रन बनाए।

इससे पहले अनुभवी मोईन अली की 57 गेंद में 93 रन की पारी के दम पर चेन्नई ने 6 विकेट पर 150 रन बनाए। मोईन ने दूसरे विकेट के लिए डेवोन कॉनवे के साथ 83 रन की साझेदारी की। उन्होंने कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के साथ 5वें विकेट के लिए 51 रन जोड़े। मोईन ने अपनी पारी में 13 चौके और 3 छक्के लगाए। चेन्नई की टीम ने पावरप्ले में ही 1 विकेट पर 75 रन बना लिए थे लेकिन इसके बाद राजस्थान के गेंदबाजों ने अपनी टीम की वापसी कराई। स्पिनर युजवेंद्र चहल ने 26 रन देकर 2 विकेट झटके। ओबेड मैकॉय ने 20 रन देकर 2 विकेट लिए जबकि ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन और ट्रेंट बोल्ट को 1-1 विकेट मिला। पहले गेंदबाजी का न्योता मिलने के बाद ट्रेंट बोल्ट ने पहले ओवर में ही ओपनर ऋतुराज गायकवाड़ (2) को विकेटकीपर कप्तान संजू सैमसन के हाथों कैच करा दिया। इस झटके का हालांकि चेन्नई पर कोई असर नहीं पड़ा। तीसरे ओवर में बोल्ट की गेंद कॉनवे के बल्ले का ऊपरी किनारा लेने के बाद छक्के के लिए चली गई और इसके बाद उन्होंने शानदार चौका जड़ा।

मोईन अली ने इसके बाद पावर प्ले में बाउंड्री की झड़ी लगा दी। उन्होंने प्रसिद्ध कृष्णा के खिलाफ चौथे ओवर में 4 चौके और 1 छक्का, पांचवें ओवर में अश्विन के खिलाफ 2 चौके और एक छक्का और छठे ओवर में ट्रेंट बोल्ट के खिलाफ 5 चौके और 1 छक्का जड़ा। इस दौरान उन्होंने 19 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया जो इस आईपीएल सत्र का दूसरा सबसे तेज पचासा है। पावरप्ले के बाद राजस्थान के गेंदबाजों ने रन गति पर अंकुश लगाया। आठवें ओवर में अश्विन ने कॉनवे को एलबीडब्ल्यू आउट किया। अगले ओवर में मैकॉय ने एन जगदीशन (1) को चलता किया। टीम में वापसी करने वाले अंबाती रायुडू (3) कुछ खास नहीं कर पाए और स्लिप में देवदत्त पडिक्कल ने चहल की गेंद पर उनका शानदार कैच लपका।

इसके बाद बल्लेबाजी के लिए उतरे कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को सैमसन ने 2 जीवनदान दिए। सैमसन ने चहल और फिर मैकॉय की गेंद पर उनका कैच टपकाया। इस बीच टीम ने 12वें ओवर में रनों का शतक पूरा किया। धोनी ने 15वें ओवर में चौका लगाकर बाउंड्री के सूखे को खत्म किया। टीम के लिए यह चौका 36 गेंद के बाद आया था। मोईन अली ने 18वें ओवर में कृष्ण का स्वागत छक्के से किया और फिर 19वें ओवर में चहल की पहली गेंद पर चौका जड़ा। इसी ओवर की आखिरी गेंद पर धोनी बड़ा शॉट लगाने के चक्कर में बटलर को कैच थमा बैठे।

आर्थिक संकट के बीच श्रीलंका सरकार ने दी नागरिकों राहत, हटाया आपातकाल

कोलंबो (ईएमएस)। आर्थिक संकट से जूझ रहे श्रीलंका की आम जनता को सरकार ने बड़ी राहत दी है। श्रीलंका सरकार ने देश में लागू आपातकाल शनिवार को हटा लिया। देश में अभूतपूर्व आर्थिक संकट और सरकार विरोध प्रदर्शनों को देखते हुए दो सप्ताह पहले आपातकाल लागू किया गया था। श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे ने एक महीने के अंदर दूसरी बार छह मई की मध्यरात्रि आपातकाल लागू किया था। खबर के अनुसार राष्ट्रपति सचिवालय ने कहा है कि शुक्रवार मध्यरात्रि से आपातकाल हटा लिया गया है। देश में कानून-व्यवस्था में सुधार को देखते हुए यह फैसला लिया गया है।

श्रीलंका में सरकार समर्थक और सरकार विरोधी प्रदर्शनों के दौरान हुई झड़पों में नौ लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 200 से अधिक लोग घायल हुए हैं। श्रीलंका साल 1948 में ब्रिटेन से आजादी मिलने के बाद से अभूतपूर्व आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। देश में किस कदर महंगाई की मार है उसका अंदाजा इस बात से ही लगाया जा सकता है कि देश की मुद्रास्फीति की दर 40 प्रतिशत दर की तरफ बढ़ चुकी है। जीवन की मूलभूत आवश्यकताएं पूरी नहीं हो पा रही है। लोगों को दवाइयां, तेल जैसी जरूरी सामानों के लिए दर दर भटकना पड़ रहा है। इससे पहले श्रीलंका के अधिकारियों ने दशकों के सबसे खराब आर्थिक संकट के बीच ईंधन की भारी कमी के कारण शुक्रवार को यहां स्कूल बंद कर दिए और सरकारी अधिकारियों से काम पर नहीं आने की अपील की।

लोक प्रशासन मंत्रालय ने आवश्यक सेवाओं को बनाए रखने वालों को छोड़कर, बाकी सरकारी अधिकारियों से देश भर में मौजूदा ईंधन की कमी के मद्देनजर शुक्रवार को काम पर नहीं आने के लिए कहा। राज्य और सरकार द्वारा अनुमोदित निजी स्कूल भी ईंधन की बढ़ती कमी के बीच शुक्रवार को बंद कर दिए गए। हज़ारों लोग देश भर में ईंधन केंद्रों पर कतारों में इंतजार कर रहे थे। गौरतलब है कि श्रीलंका में पेट्रोल लगभग खत्म हो गया है और अन्य ईंधन की भी भारी कमी होने लगी है। सरकार हाल के महीनों में ईंधन, गैस और अन्य आवश्यक वस्तुओं के आयात का भुगतान करने के लिए धन जुटाने के लिए संघर्ष कर रही है, क्योंकि देश दिवालिया होने के कगार पर है।

आरबीआई वित्त वर्ष 2021-22 के लिए सरकार को देगा 30 करोड़ का लाभांश

- बैठक में केंद्रीय बैंक का आकस्मिक जोखिम बफर 5.50 प्रतिशत पर बनाए रखने का फैसला भी लिया गया

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2021-22 के लिए सरकार को 30,307 करोड़ रुपए का लाभांश देने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। आरबीआई ने एक बयान में कहा कि उसके निदेशक मंडल की बैठक में यह तय किया गया कि वित्त वर्ष 2021-22 के लिए वह सरकार को 30,307 करोड़ रुपए अधिशेष राशि का भुगतान लाभांश के तौर पर किया जाएगा। गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय निदेशक मंडल की 596वीं बैठक में सरकार को लाभांश देने का फैसला लिया गया। इसके साथ ही केंद्रीय बैंक का आकस्मिक जोखिम बफर 5.50 प्रतिशत पर बनाए रखने का फैसला भी लिया गया। समिति ने आकस्मिक जोखिम बफर को 6.5 प्रतिशत से 5.5 प्रतिशत के बीच निर्धारित किया था। पिछले साल मई में आरबीआई ने जुलाई 2020 से मार्च 2021 तक के नौ महीनों की अवधि के लिए 99,122 करोड़ रुपये के लाभांश भुगतान की घोषणा की थी। इसके साथ ही आरबीआई ने लाभांश के लिए भी वित्त वर्ष के आधार पर भुगतान की व्यवस्था लागू कर दी। उसके पहले तक आरबीआई जुलाई-जून की अवधि के आधार पर लाभांश की घोषणा करता था।

आरबीआई के निदेशक मंडल की बैठक में मौजूदा आर्थिक परिदृश्य की भी समीक्षा की गई। इसमें घरेलू हालात के अलावा वैश्विक चुनौतियों और मौजूदा भू-राजनीतिक घटनाक्रम के संभावित असर का भी आकलन किया गया। इसके अलावा पिछले वित्त वर्ष में आरबीआई के कामकाज की समीक्षा भी की गई और वित्त वर्ष 2021-22 की वार्षिक रिपोर्ट एवं खातों को स्वीकृति दी गई। निदेशक मंडल की बैठक में डिप्टी गवर्नर महेश कुमार जैन, माइकल देवव्रत पात्रा, एम राजेश्वर राव और टी रबी शंकर शामिल थे। इसके अलावा बोर्ड के अन्य निदेशक सतीश के मराठे, एस गुरुमूर्ति, रेवती अय्यर और सचिन चतुर्वेदी ने भी बैठक में भाग लिया।

एटीएम से बिना कार्ड निकाल सकेंगे पैसे

- आरबीआई ने लागू ?किया नया नियम

नई ?दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बिना कार्ड के किसी भी एटीएम से पैसे निकालने को लेकर नया नियम जारी किया है। बता दें कि यह सुविधा देश के सभी बैंक और एटीएम मशीनों में उपलब्ध होगी। रिजर्व बैंक ने 19 मई, 2022 को एक सर्कुलर जारी कर सभी बैंकों से यह सुविधा जल्द शुरू करने को कहा है। इस सुविधा को युनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) के माध्यम के जरिए लिया जा सकता है। गौरतलब है ?कि आरबीआई की कोशिश है कि आज दौर में जब ऑनलाइन फ्राड बढ़ रहे हैं तब डिजिटल ट्रांजैक्शन को कैसे सुरक्षित बनाया जाए। बैंक के एटीएम से पैसा निकालने के लिए कार्ड की जरूरत नहीं होगी। यह सुविधा पूरे सप्ताह 24 घंटे देश में उपलब्ध रहेगी। यह एक सुरक्षित पैसा निकासी का माध्यम है। इस सिस्टम के जरिए मोबाइल पिन जनरेट करना होगा। कैश लेस कैश विड्राल सुविधा में यूपीआई के जरिए ट्रांजैक्शन पूरा होगा। यह सुविधा सिर्फ खुद से पैसा निकालने पर रहेगी। अभी तक सभी बैंकों में यह सुविधा नहीं है। साथ ही ट्रांजैक्शन लिमिट भी रहेगी। मोबाइल और इंटरनेट बैंकिंग के साथ सेविंग अकाउंट होल्डर्स को यह सुविधा रहेगी। कुछ बैंकों ने इस सुविधा की अनुमति दी है। बैंक की तरफ से लगाए गए कार्डलेस एटीएम में जाकर मोबाइल पर रिसीव हुए कोड को बस लिखना होगा। इस तरह की लेन-देन की सीमा 5 हजार से 10 हजार रुपए है।

एक सप्ताह में दूसरी बार बढी सीएनजी की कीमत

- दिल्ली में सीएनजी के दाम 2 रुपए प्रति किलो बढ़ाए गए

नई ?दिल्ली (ईएमएस)। इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड(आईजीएल) ने सीएनजी की कीमतें शनिवार 21 मई को फिर से बढ़ा दी हैं। श?निवार को दिल्ली में सीएनजी के दाम 2 रुपए प्रति किलो बढ़ा दिए हैं। अब दिल्ली में सीएनजी 75.61 रुपए किलो हो गई है। नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गा?जियाबाद में यह 78.17 रुपए प्रति किलो हो गई, जबकि गुरुग्राम में इसकी कीमत 83.94 रुपए प्रति किलो पहुंच गई है। इससे पहले 15 मई को 2 रुपए दाम बढ़ाए गए थे। बीते 6 दिनों में लगातार दूसरी बार सीएनजी की कीमतों में बढ़ोतरी की गई है। इस फील्ड से जुड़े लोगों का कहना है कि सीएनजी की कीमतें और बढ़ सकती हैं। भारत पिछले कई सालों से कतर, मस्कट और अरब देशों से गैस खरीद रहा है। अभी तक उसे 20 डॉलर प्रति सिलेंडर के हिसाब से गैस मिलती थी। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद उपजे संकट की वजह से यूरोपीय देशों में गैस की कीमत बढ़कर 40 डॉलर के आस-पास पहुंच गई है। अब भारत को भी इसी कीमत पर गैस मिल रहा है। ऐसे में कंपनियों पर भी लागत का बोझ बढ़ गया है। अगर कीमतों में जल्द गिरावट नहीं आई तो देश में सीएनजी के दाम 80 रुपए से ऊपर चले जाएंगे।

पेट्रोल-डीजल को पहले से ही 100 रुपए के पार चल रहा है। अब सीएजी भी 80 रुपए पार करने की लाइन में लग गई है। सीएजी महंगी होने से दिल्ली जैसे शहरों में ऑटो वालों के लिए भी समस्याएं बढ़ रही हैं। गैस प्राइस के साथ-साथ क्रूड ऑयल भी लगातार महंगा चल रहा है। क्रूड ऑयल की कीमते लगातार 110 डॉलर प्रति बैरल के पार बनी हुई हैं। शनिवार को क्रूड ऑयल 112 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर ट्रेड कर रहा है। ऐसे में पेट्रोल-डीजल के दाम भी बढ़ने का दबाव बना हुआ है।

यूक्रेन- मारियूपोल में आखिरी किला भी ढहा, पुतिन खुश, पूरा शहर रूस के कब्जे में

पोक्रोव्स्क, यूक्रेन (ईएमएस)। रूस के भीषण हमलों को करीब तीन महीने से झेल रहा यूक्रेन बेजार है। वहीं, जंग में रूस ने सबसे बड़ी कामयाबी हासिल करने का दावा किया है। रूस का दावा है कि उसके सैनिकों ने यूक्रेन के मारियुपोल शहर पर पूरी तरह कब्जा कर लिया है। यूक्रेन ने अभी इसकी पुष्टि नहीं की है। इस जंग में ये बंदरगाह शहर पूरी तरह बर्बाद हो चुका है। चारों तरफ खंडहर बनी इमारतें और जली हुई गाड़ियां नजर आ रही हैं। यहां 20 हजार से ज्यादा लोगों के मारे जाने की आशंका है।

समाचार के मुताबिक, रूस के रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को मारियुपोल में अजोवस्तल इस्पात संयंत्र और शहर को 'पूरी तरह आजाद कराने' की जानकारी दी। यह स्टील प्लांट यूक्रेनी प्रतिरोध का प्रतीक बन गया था। इस प्लांट के अंदर यूक्रेन के सैकड़ों सैनिक और नागरिक हथियारों के साथ जमा थे और रूसी सैनिकों से मोर्चा ले रहे थे। यूक्रेन पर हमले के पहले ही दिन से रूस मारियूपोल पर ताबड़तोड़ हमले कर रहा था। उसका लगभग पूरे मारियूपोल शहर पर कब्जा हो गया था, लेकिन इस स्टील प्लांट से उसे तगड़ी चुनौती मिल रही थी। इसी की बदौलत रूसी सैनिक यहां आगे नहीं बढ़ पा रहे थे।

रूस की सरकारी समाचार एजेंसी ने मंत्रालय के हवाले से बताया कि सोमवार से लेकर अब तक प्लांट में छिपे कुल 2,439 यूक्रेनी लड़ाकों ने आत्मसमर्पण कर दिया है। इनमें से 500 से अधिक लड़ाकों ने शुक्रवार को सरेंडर किया। इन सैनिकों को रूस ने बंदी बना लिया है। इनमें से कुछ को दूरदराज की जगहों पर ले जाया गया है। रूसी अधिकारियों ने इस्पात संयंत्र में छिपे कुछ लड़ाकों को ''नाजी'' और अपराधी बताते हुए उन पर युद्ध अपराध के लिए मुकदमा चलाने की धमकी दी है।

सैन्य विश्लेषकों का कहना है कि मारियुपोल का रूस के कब्जे में आना इस जंग में सांकेतिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण है। यूक्रेन के सबसे दक्षिण में स्थित मारियुपोल अजोव सागर से जुड़ा हुआ है। मारियुपोल पर रूस का कब्जा होने से उसे क्रीमिया से लेकर पूर्वी यूक्रेन यानी डोनबास तक के लिए जमीनी रास्ता मिल गया है। डोनबास से ही रूस ने सबसे पहले जंग शुरू की थी और इसे स्वतंत्र घोषित कर दिया था। शुक्रवार को अन्य घटनाक्रम में पश्चिमी देशों ने यूक्रेन को अरबों रुपये की और वित्तीय सहायता देने की घोषणा की। इसके अलावा, डोनबास में लड़ाई तेज हो गयी है। यूक्रेनी अधिकारियों के मुताबिक, रूसी सेना ने लुहांस्क क्षेत्र में एक अहम शहर पर हमले किए। एक मुख्य राजमार्ग पर भी बम बरसाए। एक स्कूल पर भी रूसी हमला हुआ है, जो डोनबास इलाके का ही हिस्सा है।

रूसी टीवी चैनल बोला- 'विश्व युद्ध की सिर्फ 'रिहर्सल' है यूक्रेन जंग, अगला निशाना नाटो होगा

कीव (ईएमएस)। युद्धग्रस्त देश यूक्रेन रूस के हमलों से पूरी तरह बर्बाद हो गया है। पुतिन की सेना ने यहां भीषण तबाही मचाई है। दुनिया ने एक ऐसा युद्ध देखा है जिसे कई पीढ़ियों तक याद रखा जाएगा। लेकिन रूस के एक विश्लेषक ने इसे एक बड़े विश्व युद्ध की सिर्फ 'रिहर्सल' करार दिया है। रूस के सरकारी टीवी चैनल पर इंस्टीटयूट ऑफ इंटरनेशनल सिक्योरिटी स्टडीज में रिसर्च फेलो प्रोफेसर एलेक्सी फेनेंको ने कहा कि अगला संघर्ष नाटो के खिलाफ हो सकता है। याद रहे कि यूक्रेन में अपनी बर्बर कार्रवाई को अभी तक क्रेमलिन ने 'युद्ध' करार नहीं दिया है बल्कि इसके लिए वह 'स्पेशल मिलिट्री ऑपरेशन' शब्द का इस्तेमाल कर रहा है।

रूस में मीडिया पर सरकार का नियंत्रण है और अखबार व न्यूज चैनल वही कहते हैं जो क्रेमलिन चाहता है। एक खबर के अनुसार कुछ दिनों पहले एक चर्चा के दौरान फेनेंको ने 'युद्ध' शब्द का इस्तेमाल किया और संकेत दिया कि भविष्य में ऐसे और युद्ध देखने को मिलेंगे। उन्होंने कहा कि हमारे लिए यूक्रेन का युद्ध सिर्फ एक रिहर्सल है, भविष्य में संभावित बड़े संघर्ष की रिहर्सल। हम नाटो हथियारों का परीक्षण और अपने हथियारों से उनकी तुलना करेंगे और युद्ध के मैदान में पता चलेगा कि हमारे हथियार उनसे कितने ताकतवर हैं।

फेनेंको ने कहा कि यह भविष्य के संघर्षों के लिए एक सीखने वाला अनुभव हो सकता है। अगर यह माना जाए कि फेनेंको की टिप्पणियों को 'ऊपर' से मंजूरी मिली है तो यह क्रेमलिन के दृष्टिकोण में एक अहम बदलाव को दिखाता है। रिटायर्ड अमेरिकी जनरल बैरी आर मैककैफ़री ने फेनेंको के बयान को 'हैरान करने वाला' बताया। उन्होंने कहा कि नाटो/यूरोपीय संघ की आर्थिक और सैन्य ताकत रूस से कई गुना ज्यादा है। उन्होंने कहा कि अन्य नाटो देशों के खिलाफ रूसी आक्रमकता को बढ़ाना पूरी तरह अतार्किक होगा। फेनेंको का बयान ऐसे समय पर सामने आया है जब स्वीडन और फिनलैंड ने नाटो में शामिल होने के लिए आवेदन कर दिया है। पुतिन ने इस कदम की आलोचना करते हुए कहा था कि दूसरे देशों में नाटो का सैन्य विस्तार मॉस्को को प्रतिक्रिया देने के लिए मजबूर कर सकता है। रूस ने दावा किया है कि मारियुपोल के अजोवस्टल स्टील प्लांट में मौजूद सभी यूक्रेनी सैनिकों ने सरेंडर कर दिया है।

दुनिया के 11 देशों में सामने आए मंकीपॉक्स के 80 मामले, डब्ल्यूएचओ शुरु किया अध्ययन

जेनेवा (ईएमएस)। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने 11 देशों में मंकीपाक्स के 80 मामलों की पुष्टि की है। डब्ल्यूएचओ नई बीमारी को लेकर अध्ययन कर रहा है, ताकि इसके प्रसार के कारणों के साथ-साथ जोखिमों का भी लगाया जा सके पता। डब्ल्यूएचओ ने अपने एक बयान में कहा कि यह वायरस एंडेमिक यानि स्थानीय स्तर का है, जो कुछ देशों के जानवरों में मौजूद है। इससे स्थानीय पर्यटकों व लोगों के बीच ही यह संक्रमण फैलता है।

हालांकि शुक्रवार को भारतीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) और आइसीएमआर (आईसीएमआर) को स्थिति पर कड़ी नजर रखने का निर्देश दिया। इसके मद्देनजर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने हवाईअड्डे और बंदरगाह के स्वास्थ्य अधिकारियों को भी सतर्क रहने का निर्देश दिया है। बता दें कि एंडेमिक के तहत आने वाली महामारी की पूरी तरह खत्म होने की संभावना नहीं होती लेकिन यह संक्रमण अधिक नहीं फैलता। डब्ल्यूएचओ के अनुसार इस स्थिति में लोगों को हमेशा के लिए उसी संक्रमण के साथ जीना पड़ता है।

मंकीपाक्स पहली बार 1958 में शोध के लिए रखे गए बंदरों में देखा गया था। 1970 में पहली बार इंसान में इस वायरस की पुष्टि हुई थी। वायरस के दो मुख्य स्ट्रेन हैं पश्चिम अफ्रीकी और मध्य अफ्रीकी। यूके में मिले संक्रमित रोगियों में से दो ने नाइजीरिया से यात्रा की थी। इसलिए आशंका जताई जा रही है कि ये पश्चिम अफ्रीकी स्ट्रेन हो सकते हैं। हालांकि अभी तक इसकी पुष्टि नहीं हुई है। बता दें कि मंकीपाक्स चेचक वायरस परिवार से संबंधित है। मंकीपाक्स के संक्रमण से ग्रस्त होने के बाद मरीज में बुखार, सिरदर्द, सूजन, पीठ दर्द, मांसपेशियों में दर्द और सामान्य रूप से सुस्ती के लक्षण दिखते हैं। बुखार के समय अत्यधिक खुजली वाले दाने विकसित हो सकते हैं, जो अक्सर चेहरे से शुरू होकर शरीर के अन्य हिस्सों में फैल जाते हैं। संक्रमण आमतौर पर 14 से 21 दिन तक रहता है। मंकीपाक्स वायरस त्वचा, आंख, नाक या मुंह के माध्यम से शरीर में प्रवेश करता है। यह संक्रमित जानवर के काटने से या उसके खून, शरीर के तरल पदार्थ, या फर को छूने से हो सकता है। संक्रमित जानवर का मांस खाने से भी मंकीपाक्स हो सकता है।

रसभरी शाही लीची को स्वाद अब महानगरों के लोग भी चख सकेंगे

लीची अब हवाई जहाज से महानगरों तक पहुंचेगी

मुजफ्फरपुर (ईएमएस)। मुजफ्फरपुर की रसभरी शाही लीची का स्वाद केवल बिहार के लोग ही नहीं, बल्कि कई राज्यों के लोग भी इसका लुत्फ उठाएंगे। बिहार की लीची अब हवाई जहाज से महानगरों तक पहुंचेगी। बिहार की लीची दरभंगा एयरपोर्ट से आज से वाया दरभंगा दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और अहमदाबाद भेजने के लिए शुरूआत की जाएगी। एयर कंपनी ने बिहार लीची उत्पादक संघ से करार किया है। करार के मुताबिक कंपनी छह टन लीची रोज इन महानगरों में 40 रुपये प्रति किलो भाड़ा के हिसाब से भेजेगी।

बिहार लीची उत्पादक संघ के अध्यक्ष बच्चा प्रसाद ने बताया कि दरभंगा से हवाई मार्ग से लीची भेजने से किसान और कारोबारियों को लाभ की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि ट्रेन और ट्रक से लीची भेजे जाने के बाद लीची के खराब होने की आशंका रहती है। अब लीची एक ही दिन में महानगर पहुंच जाएगी, इससे यह ताजा रहेगी। महानगर में इसकी कीमत 18 सौ रुपये से दो हजार रुपये बॉक्स तक आसानी से मिलेगी।

दरभंगा एयरपोर्ट पर आज से लीची भेजने की तैयारी पूरी कर ली गई है। इसके लिए एयरपोर्ट के पश्चिमी दरवाजे पर शेड बनाया गया है, जहां से कार्गो में लीची की बुकिंग होगी। इन महानगरों में रहने वाले लोगों को भी आसानी से उनकी मनपसंद लीची उपलब्ध हो सकेगी। हवाई मार्ग से चंद घंटों में लीची सैकड़ों किलोमीटर दूर तक पहुंच जाएगी। उनके सड़ने-गलने का भी खतरा नहीं होगा। 16 जून तक किसान अपनी लीची हवाई जहाज से भेज सकते हैं। इधर, अध्यक्ष प्रसाद ने कहा कि पवन एक्सप्रेस से भी लीची भेजने की तैयारी की जा रही है। एक्सप्रेस में पार्सल वैन जोड़ने के लिए रेलवे ने अपनी सहमति दे दी है।

दरभंगा एयरपोर्ट से लीची अन्य राज्यों में भेजने से किसान भी खुश हैं। किसानों ने बताया कि समय पर लीची बिकने से उनकी आमदनी बढ़ेगी। इससे लीची उत्पादन के प्रति किसानों का लगाव भी बढ़ेगा। लीची उत्पादक ने बताया कि समय पर लीची नहीं बिकने की स्थिति में कई वर्ष आमदनी कम हो जाती है। अब हवाई मार्ग से लीची को बाहर भेजा जाएगा, तब इसकी मांग भी बढ़ेगी। लीची को अब बड़ा बाजार मिलने पर उत्पादकों की आमदनी बढ़ेगी। उल्लेखनीय है कि मुजफ्फरपुर की लीची देश और विदेश में भी अपने खास स्वाद के लिए चर्चित है।

चीन में जीरो-कोविड पॉलिसी फेल, राष्ट्रपति शी जिनपिंग की हुई किरकिरी

बीजिंग (ईएमएस)। कोरोना के संक्रमण को दुनियाभर में फैलाने के नाम से कुख्यात चीन एक बार फिर इस वायरस की चपेट में है। इसकी रोकथाम के लिए चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को अपनी जीरो कोविड पॉलिसि को लेकर किरकिरी झेलनी पड़ रही है। चीन के बड़े शहरों में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन और ऑनलाइन कैंपेन चलाए जा रहे हैं। इसमें चीन की जीरो-कोविड नीति के लिए राजनीतिक जिम्मेदारी तय करने की मांग हो रही है।

आपको बता दें कि चीन में कठिन लॉकडाउन लगाया गया। बड़े पैमाने पर टेस्टिंग की गई। सीमाओं को सील किया। दो साल तक वायरस से मुकाबला किया। दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश में अपेक्षाकृत मौतें भी कम हुईं।

वहीं, अधिकांश पश्चिमी देशों को भारी प्रकोप का सामना करना पड़ा। चीन की जीरो कोविड पॉलिसी को लेकर पिछले साल सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी की शताब्दी के दौरान जश्न मनाया गया था। हालांकि, ओमिक्रॉन वैरिएंट ने चीन की जीरो कोविड पॉलिसी की पोल खोल दी है। सरकार की नीतियों पर सवाल खड़े हो रहे हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, सैकड़ों लोगों की मौत हो गई है। शंघाई में इसका सबसे अधिक असर दिख रहा है। बीजिंग के लोगों को भी डर हो रहा है।

ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में चीन के प्रोफेसर विविएन शी ने न्यूज एजेंसी एएफपी को बताया, नेतृत्व की अकर्मण्यता, जिद्द और नासमझी जोखिम पैदा कर रही है। इसके बावजूद, शी का कहना है कि देश को जीरो-कोविड पॉलिसी के साथ चलना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि चीनी जीवन आर्थिक दर्द से अधिक मूल्य का है। सिंगापुर के नेशनल यूनिवर्सिटी में ली कुआन यू स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी के एसोसिएट प्रोफेसर अल्फ्रेड वू ने कहा, ठइस नीति को चुनौती देने का मतलब उसे यानी शी जिनपिंग को चुनौती देना है।ठ

जॉर्डन के नरेश ने सौतेले भाई की नजरबंदी को औपचारिक मंजूरी दी

यरुशलम (ईएमएस)। जॉर्डन के नरेश ने अपने सौतेले भाई के साथ चल रहे विवाद को सार्वजनिक कर उन्हें घर में नजरबंद करने की औपचारिक मंजूरी दे दी है। किंग अब्दुल्ला द्वितीय ने सार्वजनिक पत्र में अभूतपूर्व रूप से कठोर शब्दों का इस्तेमाल कर अपने सौतेले भाई प्रिंस हमजा को 'सनकी भी कहा। पत्र में अब्दुल्ला द्वितीय ने कहा कि उन्होंने प्रिंस हमजा को उनके महल में नजरबंद करने को मंजूरी दी है और उनके संवाद-संचार एवं आवाजाही पर रोक लगा दी है। उन्होंने कहा कि ऐसा उनके भाई के ''सनकी बर्ताव और लालसाओं'' के मद्देनजर किया गया है।

जॉर्डन नरेश ने कहा, एक आरामदायक जीवन जीने के लिए आवश्यक सभी चीजें हमजा को दी जाएंगी लेकिन उन्हें वह अधिकार नहीं मिलेगा, जिनका दुरुपयोग उन्होंने देश और देश के संस्थानों और अपने परिवार के विरोध में किया। किंग अब्दुल्ला ने पहले विवाद को परिवार तक सीमित रखने का प्रयास किया था। अपने सौतेले भाई की सार्वजनिक रूप से निंदा करते हुए कठोर शब्दों का प्रयोग करना उनके लिए जोखिम भरा कदम हो सकता है। हमजा को देश में, खासकर जॉर्डन की जनजातियों के बीच लोकप्रियता हासिल है। ये जनजातियां शाही परिवार का परंपरागत रूप से समर्थन करती आई हैं। यह घोषणा शाही महल में जारी विवाद में ताजा घटनाक्रम है।

अब्दुल्ला और हमजा जॉर्डन के राजा रह चुके हुसैन के बेटे हैं, जिन्होंने करीब आधी सदी तक देशपर राज किया। किंग हुसैन का निधन 1999 में हो गया था। उन्होंने हमजा को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया था, लेकिन 2004 में उनसे यह अधिकार छीन लिया गया था। शाही परिवार ने सल्तनत को कथित तौर पर अस्थिर करने की साजिश रचने के मामले में हमजा को पिछले वर्ष अप्रैल में घर में नजरबंद कर दिया था। अब्दुल्ला ने अपने सौतेले भाई पर राजद्रोह का आरोप लगाया था, लेकिन कहा था कि परिवार के अंदर मामले का हल निकाला जा रहा है। पत्र के मुताबिक मार्च महीने में हमजा ने नरेश से माफी मांग ली और कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि हम अपने देश के और अपने परिवार के इतिहास में इस अध्याय के पन्ने को पलट सकते हैं। लेकिन मुखर रहने वाले हमजा ने पिछले महीने औपचारिक रूप से अपने शाही दर्जे को छोड़ दिया था और ट्विटर पर विरोध जताते हुए लिखा कि उनके दृढ़ विश्वास और ''हमारे संस्थानों के मौजूदा दृष्टिकोणों, नीतियों और तरीकों'' में कोई मेल नहीं हो सकता। उनका परोक्ष इशारा जॉर्डन नरेश की तरफ था। किंग अब्दुल्ला ने अपने सौतेले भाई पर निशाना साधकर कहा कि वह ''कभी अपने देश को इसतरह के आदमी का बंधक नहीं बनने देने वाले हैं, जिसने उसके देश की सेवा के लिए कुछ नहीं किया।

राज्य की महिलाओं तथा बच्चों के विकास के लिए समाज तथा सरकार की विशेष ज़िम्मेदारी है : मुख्यमंत्री

- राज्य में आंगनबाड़ी कार्यकरों को नियुक्ति पत्र वडोदरा से जारी करना किया प्रारंभ

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने जोर देते हुए कहा है कि राज्य की महिलाओं तथा बच्चों के विकास के लिए समाज तथा सरकार की विशेष ज़िम्मेदारी है। महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए एक हज़ार दिन की देखभाल तथा माता-बालक को आजीवन खुश रखने के ध्येय को साकार करने के लिए राज्य सरकार ने बजट में 800 करोड़ रुपए आवंटित किए है। जिसमें सुपोषित माता-स्वस्थ्य बालक योजना के अंतर्गत एक हज़ार दिन तक सगर्भा बहनों को पोषक आहार मुहैया कराने का राज्य सरकार ने महिलाओं के हित में निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार के प्रथम दिन से ही देश तथा दुनिया को बता दिया है कि दृढ निर्णय शक्ति तथा सभी को साथ लेकर विकास की गति को कैसे दोगुनी की जा सकती है। उन्होंनेकहा कि 'सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास तथा सबका प्रयास' से गुजरात भी प्रधानमंत्री के दिशा-दर्शन में तीव्र गति से विकास की ओर आगे बढ़े ऐसी हमारी टीम की कोशिश है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य की महिला तथा बाल विकास विभाग द्वारा 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' के अंतर्गत राजस्व मंत्री राजेन्द्र त्रिवेदी तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री प्रदीप परमार की उपस्थिति में वडोदरा में आयोजित कार्यक्रम में गुजरात ज़ोन के सात ज़िलों तथा वडोदरा महानगर पालिका क्षेत्र में 1416 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, तेडागर बहनों (बच्चों को स्कूल लाने-ले जाने वाली महिला) को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। समग्र राज्य में करीब 7000 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं तथा तेडागर (बच्चों को स्कूल लाने, ले जाने वाली बहनों) की भर्ती केवल दो महीने के अल्प समय में ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से पूरी की गई है। मुख्यमंत्री ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता तथा तेडागरों को नियुक्ति पत्र जारी करने का कार्य वडोदरा से प्रारंभ किया है। गुजरात देश का ग्रोथ इंजन है, इसका उल्लेख करते हुए पटेल ने कहा कि विकास का ग्रोथ इंजन तभी कहा जा सकता है, जब विकास का फल सुदूरवर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों तक पहुँचे तथा वंचित वर्ग भी उसकी अनुभूति कर सके। इससे सबके विकास के लिए यह सरकार सतत प्रयत्नशील है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि गुजरात के विकास के मूल में शिक्षा, स्वास्थ्य तथा सुरक्षा का मुद्दा रहा है। राज्य के सभी बच्चे शिक्षित बने इसके लिए आंगनबाड़ी से लेकर उच्च शिक्षा के लिए राज्य सरकार द्वारा शिक्षा का मज़बूत ढांचा खड़ा किया गया है। विशेषकर बच्चों का प्राथमिक शिक्षा से ही स्थायीकरण हो उसके लिए राज्य सरकार की कोशिशों के चलते आज ड्रॉप आउट का रेशियो काफी कम हो गया है। कोरोना की महामारी में हुए सेवा यज्ञ की भूमिका देते हुए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि उस कठिन समय में दुनिया के विकसित देशों ने अपने नागरिकों की परवाह नहीं की थी, उसकी तुलना में देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत की 130 करोड़ की जनता के स्वास्थ्य के लिए विभिन्न स्वास्थ्योन्मुखी सुविधाएँ मुहैया कराने के साथ निःशुल्क टीकाकरण किए जाने से देश को कोरोना से मुक्त किया गया है।

देश का एक ग़रीब परिवार इस महामारी के कारण भूखा नहीं रहे इस बात की चिंता करते हुए सभी ग़रीब परिवारों को मुफ्त में अनाज का वितरण किया गया है। प्रधानमंत्री द्वारा दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्योन्मुखी योजना 'आयुष्मान भारत' के अंतर्गत देश के जरूरतमंद सभी परिवार को 5 लाख रुपए तक का स्वास्थ्य सुरक्षा कवच प्रदान किया गया है। गुजरात की महिलाएँ अभय है, सुरक्षित है, यह कहते हुए श्री पटेल ने कहा कि गुजरात में देर रात भी महिला बहार जाकर बिना किसी डर के घूम सकती है। राज्य सरकार ने महिलाओं की सुरक्षा के लिए उचित प्रबंध किया है। महिलाओं तथा बाल कल्याण विभाग की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बहुत की कम समय में सात हजार आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं तथा तेडागर बहनों को नियुक्ति पत्र देकर पारदर्शी तथा कार्यदक्षता का कार्य किया है। आगामी एक सप्ताह में पसंद हुई बहनों को नियुक्तिपत्र दे दिया जाएगा। राज्य सरकार द्वारा निराधार, वृद्ध, दिव्यांगों तथा महिलाओं को आवश्यकत तमाम लाभ देकर मानवसेवा का उर्त्तम कार्य किया है। प्रधानमंत्री के आत्म निर्भर भारत के कोल के चलते आत्म निर्भर गुजरात के अभियान में सभी को जुड़ने के लिए उन्होंने आह्वान किया।

महिला तथा बाल कल्याण राज्य मंत्री श्रीमती मनिषा वकील ने कहा कि राज्य के भविष्य को मज़बूत करने में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं तथा तेडागर बहनों की महत्त्व की भूमिका निभाती है। आंगनबाड़ी आने वाले बच्चों में अच्छे संस्कार डालने का कार्य यशोदारूपी बहने कर रही है। बच्चों के विकास में इनका महत्त्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि सुपोषित गुजरात के निर्माण के लिए मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल द्वारा हमारे विभाग के बजट में 42 प्रतिशत की वृद्धि करके महिलाओं तथा बच्चों के प्रतित सहानुभूति दिखाई है। वकील ने यह भी कहा कि हम जनकल्याण की योजनाओं का लाभ 100 प्रतिशत लाभार्थियों को मुहैया कराने के लिए प्रतिब्ध है। इसलिए ही गंगा स्वरूपा महिलाओं को आर्थिक सहायता की योजना में 12 लाख से अधिक महिलाओं को 1600 करोड़ रुपए की सहायता सीधे उनके खाते में जमा किए गए है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने गुजरात महिला आर्थिक विकास निगम तथा महिला तथा बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित शक्ति मेले को प्रारंभ किया। शक्ति मेले में महिलाओं द्वारा उत्पादित चीज-वस्तुओं का प्रदर्शन तथा बिक्री होगी। इस मेले की सभी लोग शहर के नवलखी मैदान में 30 मई तक मुलाकात ले सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने सगर्भा माताओं को पोषण किट, व्हाली दिकरी योजना (प्यारी पुत्री योजना) के मंज़ूरी पत्र, गंगा स्वरूपा बहनों को आर्थिक सहायता मंज़री पत्र, महिला उद्यमियों का सम्मान, स्व. सहायता समूह को लोन वितरण, महिला स्वावलंबन योजना के लाभों का वितरण करने के साथ दिव्यांग साधन सहायता, वडोदरा शहर, ज़िले में 455 लाख रुपए की लागत से निर्मित 61 आंगनबाडी केंद्रों का डिजीटल लोकार्पण, शिलान्यास तथा वडोदरा महानगर पालिका के जनकल्याणकारी के लिए 24 करोड़ रुपए के विभिन्न प्रोजेक्ट का डिजीटल लोकार्पण किया गया। मुख्यमंत्री ने महिला तथा बाल विकास विभाग की योजनागत पुस्तिका तथा योजनाओं से संबंधित सवालो तथा उसके समाधान की माहिती पुस्तिका का वितरण किया।

ट्रैफिक जागरूकता और सुरक्षित ड्राइविंग को लेकर जागृति फैलाने का राष्ट्र सेवा का दायित्व निभा सकते हैं ड्राइविंग स्कूल संचालक: मुख्यमंत्री

- भूपेंद्र पटेल ने ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ ड्राइविंग स्कूल एसोसिएशन के राष्ट्रीय सम्मेलन का किया उद्घाटन

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि मोटर ड्राइविंग स्कूल के संचालक उनके पास ड्राइविंग सीखने के लिए आने वाले लोगों में ट्रैफिक जागरूकता और सुरक्षित ड्राइविंग को लेकर जागृति फैलाने का राष्ट्र सेवा का दायित्व निभा सकते हैं। यह बात उन्होंने शनिवार को गांधीनगर में ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ मोटर ड्राइविंग स्कूल एसोसिएशन के राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन अवसर पर कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले सैनिक देश को दुश्मन से सुरक्षित रखते हैं, उसी तर्ज पर वाहन चालकों को सुव्यवस्थित तरीके से सुरक्षित ड्राइविंग सिखाकर ड्राइविंग स्कूल एसोसिएशन भी समाज को दुर्घटनाओं से मुक्त बनाकर मानव जिंदगी बचा सकता है। इस अवसर पर परिवहन राज्य मंत्री अरविंद रैयाणी तथा एसोसिएशन के राष्ट्रीय एवं गुजरात राज्य इकाई के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस सम्मेलन में देश के 22 राज्यों एवं 2 केंद्र शासित प्रदेशों के ड्राइविंग स्कूल एसोसिएशन के प्रतिनिधि शिरकत कर रहे हैं।

भूपेंद्र पटेल ने कहा कि ट्रैफिक अनुशासन और सड़क सतर्कता, ये दोनों ड्राइविंग सीखने की बुनियादी बातें हैं। मुख्यमंत्री ने ड्राइविंग स्कूल एसोसिएशन के सदस्यों को प्रेरणा देते हुए कहा कि आम तौर पर वाहन चालक की छोटी-मोटी गलती और तेज गति जैसे कारणों के चलते दुर्घटना घटित होती है और कभी-कभी वह जानलेवा भी साबित होती है। ऐसे में, हम यह संकल्प करें कि सुरक्षित, सलामत, गति सीमा और ड्राइविंग के नियमों की पालना के साथ वाहन चलाएंगे, यह भी एक प्रकार की राष्ट्र सेवा ही है।

परिवहन राज्य मंत्री अरविंद रैयाणी ने एसोसिएशन के विभिन्न राज्यों के पदाधिकारियों और सम्मेलन में भाग ले रहे सभी लोगों को यातायात नियमों के प्रति लोगों को जागरूक करने की अपील की। उन्होंने बताया कि गुजरात परिवहन विभाग ने लाइसेंस जारी करने और वाहन पंजीकरण आदि कार्यों में अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करते हुए ऑनलाइन जैसी पद्धति को अपनाया है। इस अवसर पर राज्यों के प्रतिनिधियों ने अपने-अपने राज्यों की परंपरागत कलाकृति की भेंट प्रदान कर मुख्यमंत्री का सम्मान किया।

मोडासा जिले आलमपुर गांव के पास भीषण हादसा

केमिकल भरे ट्रक और कार के बीच भिड़ंत : ६ लोगों की मौत

कार ड्रावइर कूदकर अपनी जान बचा ली है ।

मोडासा, २१ मई । गुजरात में मोडासा जिले के आलमपुर गांव के पास आज सुबह बड़ा हादसा हो गया । यहां दो ट्रक और एक कार के बीच एक्सीडेंट हो गया, जिससे तीनों वाहनों में आग लग गई । घटना में तीनों वाहनों के अंदर ६ लोग फंसे रह गए और जिंदा जल गए । वाहनों में लगी आग को काफी देर तक बुझाया नहीं जा सका था । एक ट्रक का क्लीनर, दूसरे ट्रक का ड्रायवर व क्लीनर व कार में सवार तीन लोगों की मौत हुई है । वहीं कार ड्रावइर कूदकर अपनी जान बचा ली है ।

मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने बताया कि दो ट्रकों की आमने-सामने से टक्कर हुई और इनकी चपेट में एक कार भी आ गई । एक ट्रक में कैमिकल भरा था, जिसके चलते तीनों वाहनों में भीषण आग लग गई । आग इतनी तेजी से फैली कि किसी को संभलने का मौका नहीं मिला । मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन तब तक ६ लोगों की मौत हो चुकी थी ।

इस भयानक हादसे की वजह से मोडासा-नडियाद हाईवे बंद कर दिया गया है । हाईवे पर दोनों ओर से करीब १० किमी लंबा ट्रैफिक जाम लग गया है । मौके पर पुलिस और दमकल विभाग की टीमें हालात पर काबू पाने की कोशिशों में जुटी हैं ।

मौके पर मौजूद ऋग्रह के एक कर्मचारी ने बताया कि एक ट्रक से ड्राइवर ने छलांग लगा दी थी । इससे उसकी जान बच गई । हालांकि, कूदने के चक्कर में उसके पैर जख्मी हो गए । जबकि उसके ट्रक का क्लीनर ट्रक से बाहर नहीं आ सका और मौत के मुंह में समा गया । वहीं, दूसरे ट्रक में दो लाशें हैं, जो ड्राइवर व क्लीनर की हो सकती हैं ।

जेसीबी की टक्कर से दिवारी ढही, पिता-पुत्री की मौत

अहमदाबाद (ईएमएस) शहर के गोमतीपुर क्षेत्र में जेसीबी की टक्कर से एक दीवार ढह गई। इस घटना में तीन लोग दीवार के मलबे के नीचे दब गए थे, जिसमें पिता-पुत्री की मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर ड्राइवर की तलाशी शुरू की है। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के गोमतीपुर क्षेत्र में सलाटनगर के निकट सड़क बनाने का काम चल रहा है। इस काम में लगे एक जेसीबी ने सलाटनगर फ्लैट के दीवार को टक्कर मार दी। जेसीबी की टक्कर से फ्लैट की दीवार भरभराकर ढह गई और उसके मलबे में तीन लोग दब गए। वहां मौजूद लोगों ने काफी मशक्कत के बाद तीनों को बाहर निकाला। लेकिन तब तक 21 वर्षीय प्रकाश गंगाराम सलाट और उसकी दो साल की बेटी सीमा की मौत हो चुकी थी। घटना से गुस्साए स्थानीय लोगों ने जेसीबी पर पथराव शुरू कर दिया। पथराव में जेसीबी के शीशे टूट गए। स्थानीय लोगों का गुस्सा देख जेसीबी का ड्राइवर घटनास्थल से फरार हो गया। गोमतीपुर पुलिस ने जेसीबी ड्राइवर के खिलाफ केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार करने की दिशा में कार्यवाही शुरू की है।

अब ओवरस्पीडिंग पर लगेगा भारी जुर्माना

एसजी हाईवे और सिंधु भवन रोड पर ७० की स्पीड तय की गई है ।

अहमदाबाद, २१ मई । अहमदाबाद शहर में लगातार हो रहे सड़क हादसों पर नकेल कसने के लिए ट्रैफिक का नया निमय लागू किया गया है । शहर के एसजी हाईवे और सिंधु भवन रोड पर ७० की स्पीड तय की गई है । इससे ज्यादा स्पीड में चलने वाले वाहन को ओवरस्पीडिंग माना जाएगा । ऐसा करते हुए पकड़े जाने पर पहली बार दो हजार, दूसरी बार ८ हजार और तीसरी बार ऐसा करते हुए पकड़े जाने पर ६ माह के लिए लाइसेंस रद्द करने का फैसला किया गया है ।

इसी प्रकार यदि कोई दोपहिया वाहन चालक पहली बार पकड़ा जाता है तो १५०० रुपए, दूसरी बार पकड़े जाने पर दो हजार और फिर तीसरी बार पकड़े जाने पर ६ माह के लिए लाइसेंस रद्द करने की कार्यवाही की जाएगी । इसके अलावा कुछ अन्य इलाकों में स्पीड की गति तय की गई है ।

तेज गति से चलने वालों वाहन चालकों को पकड़ने के लिए स्पीड गन लगाने की घोषणा के साथ ही २०२१ में तय किए जाने वाले जुर्माने का विवरण भी अनुस्मारक के रूप में प्रकाशित किया गया है ।

एक्सप्रेस-वे, नेशनल हाईवे, स्टेट हाईवे और हाई-ट्रैफिक सड़कों पर अब मोटर चालकों के लिए पुलिस द्वारा गति सीमा निर्धारित की गई है ।

शहर में ७० से ऊपर की रफ्तार से गाड़ी चलाने वालों की अब खैर नहीं । ओवरस्पीड में चलने वाले लोगों पर दो बार जुर्माना लगाया जाएगा और अगर वह फिर भी नहीं सुधरेगा तो लाइसेंस को रद्द कर दिया जाएगा ।

हार्दिक पटेल ने कांग्रेस के साथ विश्वासघात किया, इस्तीफे की खीचड़ी काफी समय से पक रही थी : रघु शर्मा

सूरत (ईएमएस) गुजरात कांग्रेस के प्रभारी रघु शर्मा ने आज सूरत में आरोप लगाया कि हार्दिक पटेल ने कांग्रेस के साथ विश्वासघात किया है। जबकि कांग्रेस ने हार्दिक पटेल को सभी जिम्मेदारी और सुविधाएं देने में कोई कसर नहीं छोड़ी। सूरत के बारडोली में दक्षिण गुजरात मंडल की बैठक है, जिसमें आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर चर्चा होनी है। बैठक में शामिल होने पहुंचे रघु शर्मा ने मीडिया से बातचीत में कहा कि कांग्रेस ने हार्दिक पटेल महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों के साथ ही सभी सुविधाएं मुहैया करवाई थी। कोई भी राजनीतिक कार्यक्रम स्वयं करने होते हैं लेकिन हार्दिक पटेल का कांग्रेस से इस्तीफा देने का विचार तुरंत नहीं आया बल्कि काफी समय से खीचड़ी पक रही थी। रघु शर्मा ने खोडलधाम ट्रस्ट के प्रमुख और पाटीदार नेता नरेश पटेल के कांग्रेस में शामिल होने के सवाल का भी जवाब दिया। उन्होंने कहा कि नरेश पटेल पिछले दो दिनों से लगातार मेरे संपर्क में हैं और दो दिन पहले उनके साथ बैठक भी की थी। नरेश पटेल के लिए कांग्रेस के दरवाजे खुले हैं। बता दें कि हार्दिक पटेल के कांग्रेस से इस्तीफा देने के बाद पार्टी ने अब नरेश पटेल को अपने पाले में करने की कोशिशें तेज कर दी हैं। दो दिन पहले रघु शर्मा समेत कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने राजकोट स्थित नरेश पटेल के फार्महाउस में उनके साथ बैठक भी की थी लेकिन 10 मिनट के बाद ही कांग्रेस नेता फार्महाउस से निकल गए थे। जब उनसे पूछा गया कि नरेश पटेल कांग्रेस में शामिल हो रहे हैं। कांग्रेस नेताओं का जवाब था वह लोग नरेश पटेल के यहां चाय-नाश्ता करने आए थे, राजनीतिक मुद्दों पर उनके साथ कोई चर्चा नहीं हुई।

जिग्नेश मेवानी का हार्दिक पर हमला, आप सम्मानजनक तरीके से पार्टी छोड़ सकते थे

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात के निर्दलीय विधायक जिग्नेश मेवानी ने पाटीदार समुदाय के नेता हार्दिक पटेल द्वारा कांग्रेस नेतृत्व के खिलाफ ''आपत्तिजनक'' टिप्पणी कर अपमानजनक तरीके से पार्टी को छोड़ने को लेकर निशाना साधा है। मेवानी ने कहा कि हार्दिक की सोनिया गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व तक सीधी पहुंच थी। मेवानी 2017 में बनासकांठा जिले के वडगाम से कांग्रेस के समर्थन से जीतकर निर्दलीय विधायक बने थे। हालांकि, वह आधिकारिक तौर पर पार्टी में शामिल नहीं हुए हैं। मेवानी ने हार्दिक पर निशाना साधकर कहा, ''अगर आपको कांग्रेस से दिक्कत होती तो आप सम्मानजनक तरीके से पार्टी छोड़ सकते थे। लेकिन, आपने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की को इस तरह चुना जैसे कि आपका इस्तीफा पत्र भाजपा कार्यालय से बनकर आया हो। मेवानी ने कहा, आपकी टिप्पणी अमर्यादित थी। चर्चा में 'चिकन सैंडविच' लाने की क्या आवश्यकता थी, क्या यह चर्चा का विषय है?''हार्दिक पटेल ने इस्तीफा देते समय अपने पत्र में कहा था कि कांग्रेस के शीर्ष नेता अपने मोबाइल फोन में व्यस्त रहते थे और गुजरात में पार्टी के पदाधिकारी उनके लिए 'चिकन सैंडविच' की व्यवस्था करने में अधिक रुचि रखते थे।

डीआरएम तरुण जैन द्वारा अहमदाबाद रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधाओं का निरीक्षण

अहमदाबाद (ईएमएस) पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मण्डल के डीआरएम तरुण जैन ने 21 मई, 2022 को अहमदाबाद रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधाओं का निरीक्षण किया। मण्डल रेल प्रबंधक जैन ने अहमदाबाद स्टेशन पर सर्कुलेटिंग एरिया, कोनकोर्स हाल, प्लेटफॉर्म 1 से 9 तक यात्री सुविधाओं जैसे वाटर पॉइंट, जनरल वेटिंग रूम, एसी वेटिंग रूम, जन-आहार, कैटेरिंग स्टाल, एस्केलेटर, स्टेशन की स्वच्छता, डिस्प्ले बोर्ड, फुट ओवर ब्रिज, सरसपुर साइड में चल रहे निर्माण कार्य तथा स्टेशन पर चल रहे अन्य विकास कार्यों का निरीक्षण किया। जैन ने अहमदाबाद स्टेशन पर यात्री सुविधाओं के विभिन्न प्रमुख मानकों का निरीक्षण किया। जिनमें कैटेरिंग स्टाल, एस्केलेटर, स्टेशन की साफ-सफाई तथा स्टेशन पर चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की। स्वच्छता की दृष्टि से स्टेशन परिसर का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने पैदल ऊपरी पुल एवं एस्केलेटर्स का निर्माण कार्य जल्दी पूर्ण होने पर विशेष जोर देते हुए यात्रियों को बेहतर सुविधा प्रदान करने के लिए प्लेटफॉर्म पर यात्री सुविधाओं की उचित योजना और पर्याप्त व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्टेशन पर चल रहे कार्यों की समीक्षा की और निर्माण कार्यों में तेजी लाने पर जोर दिया। इस दौरान उन्होने यात्रियों से बातचीत कर उनकी समस्याएं जानी। साथ ही कार्यरत सुपरवाइजर्स के साथ मीटिंग कर उनके कार्य करने में आने वाली समस्याओं के बारे में जाना तथा उन्हे शीघ्र पूरा करने के लिए अधिकारयों को निर्देश भी दिए। इस अवसर पर मण्डल के सभी अधिकारीगण एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

डबल ट्रैक कार्य के चलते 24 मई को ओखा-भावनगर एक्सप्रेस वगड़िया स्टेशन पर नॉन-प्लेटफॉर्म लाइन पर आएगी

राजकोट रेल मंडल के राजकोट-सुरेन्द्रनगर सेक्शन में स्थित वगड़िया स्टेशन पर डबल ट्रैक कार्य के चलते 24 मई, 2022 को लाइन नं 1 और 2 पर ब्लॉक लिया जाएगा। राजकोट डिविजन के सीनियर डीसीएम श्री अभिनव जेफ के अनुसार प्लेटफॉर्म नं 1 लाइन नं 1 पर होने की वजह से इस ब्लॉक के चलते 24 मई, 2022 को ओखा से चलने वाली ट्रेन संख्या 19210 ओखा-भावनगर एक्सप्रेस वगड़िया स्टेशन पर प्लेटफॉर्म नं 1 की जगह नॉन-प्लेटफॉर्म लाइन पर आएगी। यात्रियों को होनेवाली असुविधा के लिए रेल प्रशासन को खेद है।

अहमदाबाद मंडल के डांगरवा, आंबलियासन और जगुदन स्टेशनों के बीच दोहरीकरण कार्य के चलते कुछ ट्रेनें निरस्त रहेंगी

अहमदाबाद (ईएमएस) पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मण्डल पर अहमदाबाद – पलानुपर सेक्शन के डांगरवा, आंबालियासन और जगुदन स्टेशनों के बीच दोहरीकरण कार्य के कारण मण्डल की 06 जोड़ी ट्रेनें निरस्त रहेंगी। मण्डल रेल प्रवाकता, अहमदाबाद के अनुसार इन ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार हैंः-

निरस्त ट्रेनेः-

1. ट्रेन संख्या 14822 साबरमती – जोधपुर एक्स्प्रेस दिनांक 24.05.2022 से दिनांक 30.05.2022 तक
2. ट्रेन संख्या 14821 जोधपुर – साबरमती एक्सपेस दिनांक 23.05.2022 से दिनांक 29.05.2022 तक
3. ट्रेन संख्या 14820 साबरमती – जोधपुर एक्स्प्रेस दिनांक 23.05.2022 से दिनांक 29.05.2022 तक
4. ट्रेन संख्या 14819 जोधपुर – साबरमती एक्सपेस दिनांक 23.05.2022 से दिनांक 29.05.2022 तक
5. ट्रेन संख्या 09431 साबरमती – महेसाणा डेमू दिनांक 22.05.2022 से दिनांक 30.05.2022 तक
6. ट्रेन संख्या 09432 महेसाणा – साबरमती डेमू दिनांक 22.05.2022 से दिनांक 30.05.2022 तक
7. ट्रेन संख्या 09433 साबरमती – पाटन डेमू दिनांक 23.05.2022 से दिनांक 30.05.2022 तक
8. ट्रेन संख्या 09434 पाटन – साबरमती डेमू दिनांक 24.05.2022 से दिनांक 30.05.2022 तक
9. ट्रेन संख्या 09497 गांधीनगर – वरेठा मेमू दिनांक 23.05.2022 से दिनांक 30.05.2022 तक
10. ट्रेन संख्या 09498 वरेठा – गांधीनगर मेमू दिनांक 24.05.2022 से दिनांक 31.05.2022 तक
11. ट्रेन संख्या 09484 पाटन – महेसाणा पैसेंजर दिनांक 26.05.2022 से 01.06.2022 तक
12. ट्रेन संख्या 09483 महेसाणा – पाटन पैसेंजर दिनांक 27.05.2022 से 02.06.2022 तक

यात्रियों से अनुरोध है कि कृपया यात्रा के दौरान स्थानीय / राज्य प्रशासन द्वारा जारी कोविड -19 प्रोटोकॉल का पालन करें। ट्रेनों के परिचालन समय, ठहराव और संरचना से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री www.enquiry.iāianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

चाचा के साथ सोई ७ साल की बच्ची को पड़ोसी उठा ले गया

सूरत, २१ मई । सूरत के पांडेसरा के वडोद गांव में बापू नगर में ७ साल की बच्ची से दुष्कर्म का मामला सामने आया । इस मामले में पुलिस ने १८ वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार किया है । बताया जा रहा है कि बच्ची अपने चाचा के बगल में सो रही थी । आरोपी उसे रात को करीब २:३० बजे नींद में उठाकर ले गया था । इसके बाद उसे अपने कमरे में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म और कुकर्म किया ।

बच्ची से दुष्कर्म करने के बाद आरोपी उसे उसके घर से कुछ दूरी पर छोड़कर फरार हो गया । रात को करीब ३:३० बजे बच्ची खून से लथपथ हालत में परिवार को मिली । इसके बाद पुलिस को जानकारी दी गई । बच्ची न्यू सिविल अस्पताल में भर्ती है । पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है ।पांडेसरा के वडोद गाम स्थित बापू नगर निवासी एक मजदूर परिवार की सात वर्षीया बच्ची गुरुवार देर रात घर के बाहर ठेले पर अपने चाचा के साथ सो रही थी । माता-पिता एक भाई और एक बहन रूम में अंदर सो रहे थे । देर रात को उसी मोहल्ले में रहने वाले आरोपी सूर्या कुमार राणा प्रताप (१८ वर्ष) मासूम का मुंह दबाकर उठा ले गया । वह उसे अपने रूम में ले गया और वहां उससे दुष्कर्म और कुकर्म किया । आरोपी जब उससे दुष्कर्म कर रहा था तब वह चिल्लाने लगी, तब आरोपी ने बच्ची को उसके घर से कुछ दूरी पर छोड़कर वहां से फरार हो गया ।

बच्ची वहीं रो रही थी तभी एक महिला ने उसे देखा । उस समय रात के ३ बज रहे थे । महिला ने उसके माता-पिता को जाकर बताया । इसके बाद माता-पिता बच्ची को घर पर ले गए । बच्ची खून से लथपथ थी और काफी रो रही थी । इसके बाद परिजन पांडेसरा पुलिस के पास पहुंचे । पुलिस ने सुबह बच्ची को मेडिकल जांच के लिए न्यू सिविल अस्पताल में ले जाया गया । बच्ची बुरी तरह से घायल है । उसका इलाज चल रहा है । पुलिस ने आरोपी सूर्या कुमार को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है ।पुलिस सूत्रों के अनुसार आरोपी सूर्या कुमार देर रात को सिगरेट पीने के लिए निकला था । उस दौरान चाचा के पास सो रही बच्ची अर्द्धनिद्रा में उठकर बैठी हुई थी । बच्ची को बैठी देख वह उसके पास पहुंचा और मुंह दबाकर उसे उठा ले गया । बच्ची के घर से करीब १२ से १५ घरों के आगे ही आरोपी रह रहा था । वहीं उसे अपने कमरे में ले गया और फिर हवस का शिकार बनाया ।

स्थानीय लोगों ने बताया कि आरोपी को उन्होंने इससे पहले कभी नहीं देखा था । वह १० दिन पहले ही उस इलाके में रहने के लिए आया था । पुंगी नाम के मकान मालिक ने उसे रहने के लिए कमरा दिया था । हालांकि उसके बारे में मकान मालिक को भी ज्यादा जानकारी नहीं थी और न ही उसने आरोपी से कोई एग्रीमेंट करवाया या उसका कोई आईडी प्रूफ लिया था ।

आरोपी पिछले पांच दिन से अकेला रह रहा था । रूम मालिक ने उससे आधार कार्ड मांगा था, लेकिन उसने टाल दिया था । दुष्कर्म की घटना को अंजाम देने के बाद वह रूम पर ताला लगाकर फरार हो गया था । लेकिन पुलिस ने उसे पकड़ लिया । जब उसके रूम की तलाशी ली गई तो वहां से ७ से ८ पंखे और कई चार्जर मिले है । पुलिस को आशंका है कि सभी सामान चोरी के हैं ।सोसाइटी में ट्यूशन क्लास चलाने वाले एक शिक्षक ने बताया कि साल २०२१ में भगवती नगर में हुए दुष्कर्म के मामले के बाद से उन्होंने अपनी सोसाइटी को सीसीटीवी कैमरे से लैस कर दिया है । सोसाइटी में कुल ५७५ घरों द्वारा ५०० रुपए जुटाकर सीसीटीवी कैमरे इंस्टॉल करवाए गए थे ।

यही सीसीटीवी कैमरे आरोपी को पकड़ने में पुलिस के मददगार साबित हुए ।

चुनाव से ५ महीने पहले भाजपा सरकार का फैसला

गुजरात में पार-तापी-नर्मदा लिंक प्रोजेक्ट रद्द

आदिवासियों के विरोध के बाद सीएम पटेल की घोषणा

सूरत, २१ मई । दक्षिण गुजरात के आदिवासियों के विरोध को देखते हुए आखिरकार गुजरात सरकार ने प्रस्तावित पार-तापी नर्मदा लिंक परियोजना रद्द करने का घोषणा कर ही दी । सूरत में आज मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और गुजरात भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल की संयुक्तप्रेस वार्ता हुई । इसमें मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने प्रोजेक्ट को रद्द करने का ऐलान किया ।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिवासी समुदाय की भावनाओं के सम्मान में इस परियोजना को रद्द किया जा रहा है । बता दें, आदिवासी समुदाय इस प्रोजेक्ट का लंबे समय से विरोध कर रहा था । गुजरात में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं । इस परियोजना के चलते बीजेपी सरकार को आदिवासी वोट बैंक के छिटक जाने का खतरा पैदा हो गया था ।

सूरत के सर्किट हाउस में आयोजित प्रेस वार्ता में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि यह केंद्र सरकार की योजना थी । राज्य सरकार से इसकी स्वीकृति मांगी गई थी, लेकिन हमने अब तक इसकी मंजूरी नहीं दी थी । इसके बाद भी आदिवासी समाज में राज्य सरकार के खिलाफ गलतफहमी पैदा करने की कोशिश की गई । इसीलिए गुजरात सरकार के मंत्रियों व विधायकों के मंत्रिमंडल ने दिल्ली जाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के सामने अपनी बात रखी और इस परियोजना को बंद करने का विचार किया गया ।

सीएम पटेल ने आदिवासियों के लिए राज्य सरकार की तरफ से चलाई जा रहीं कई योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा - इस प्रोजेक्ट का विचार केंद्र सरकार की तरफ से सर्वे कराने के बाद ही तैयार किया गया था । लेकिन, उस समय भी राज्य सरकार आदिवासी समाज के साथ थी । इसलिए मंजूरी नहीं दी गई । इसके बावजूद विपक्षी पार्टियों ने लोगों में भ्रांति पैदा करने की कोशिश की ।

रिवर लिंक परियोजना के लिए गृह मंत्री अमित शाह और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को प्रतिनिधित्व देने के लिए गुजरात भाजपा के आदिवासी नेता दिल्ली पहुंचे । सरकार के मंत्रियों और विधायकों का एक प्रतिनिधिमंडल दिल्ली गया और इस मुद्दे पर केंद्र सरकार को आदिवासी समुदाय की भावनाओं से अवगत कराया । केंद्र सरकार ने तब इस परियोजना को निलंबित कर दिया था ।हाल ही में तापी के सोनगढ़ में आदिवासी समुदाय द्वारा एक रैली का आयोजन किया गया था । इस दौरान पीएम मोदी के नाम ११११ पोस्टकार्ड लिखकर भी इस प्रोजेक्ट को रद्द करने की मांग की गई थी । आदिवासी समुदाय की इस रैली को कांग्रेस ने भी समर्थन दिया था । रैली में वासंदा के विधायक अनंत पटेल समेत कांग्रेस के कई नेता मौजूद थे ।

इन परियोजनाओं को वर्ष २०१० में मंजूरी दी गई थी, जब केंद्र सरकार, गुजरात और महाराष्ट्र के बीच त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे । पार-तापी-नर्मदा लिंक परियोजना के जरिए पश्चिमी घाट के पानी को सौराष्ट्र और कच्छ के पानी की कमी वाले क्षेत्रों में भेजा जाना था ।

इस लिंक परियोजना में उत्तर महाराष्ट्र और दक्षिण गुजरात में प्रस्तावित सात जलाशय शामिल थे । सात प्रस्तावित जलाशयों का जल ३९५ किमी. लंबी नहर के जरिए सरदार सरोवर परियोजना (नर्मदा पर) से छोटे रास्ते के क्षेत्रों की सिंचाई करते हुए लिया जाना था ।

इस योजना में प्रस्तावित सात बांध झेरी, मोहनकवचली, पाइखेड़, चसमांडवा, चिक्कर, डाबदार और केलवान थे । इससे सरदार सरोवर का पानी बचता, जिसका उपयोग सौराष्ट्र और कच्छ क्षेत्र में सिंचाई के लिए किया जाता । इस लिंक में मुख्य रूप से सात बांधों तीन डायवर्ज़न वियर, दो सुरंगों, ३९५ किमी. लंबी नहर, ६ बिजली घरों और कई क्रॉस-ड्रेनेज कार्यों के निर्माण की परिकल्पना भी की गई थी ।

आदिवासी नेताओं का कहना है कि महाराष्ट्र के डांग, वलसाड और नासिक जिले में छह जलाशय विकसित होने से गुजरात के करीब ५०,००० लोग सीधे तौर पर प्रभावित होंगे । इनमें से तीन बांध डांग में, एक वलसाड में और दो महाराष्ट्र में विकसित किए जाने थे ।

डांग जिले के वाघई तालुका में बनने वाले तीन बांधों के डूब क्षेत्रों में कम से कम ३५ गांव पूरी तरह से जलमग्न होने का खतरा था । आदिवासियों का कहना था कि नदी जोड़ने की परियोजना की लागत १०,२११ करोड़ रुपए है और अगर सरकार सौराष्ट्र और कच्छ में सिंचाई के लिए बड़े बांध बनाना चाहती है तो उन्हें वहां इन बांधों को विकसित करना चाहिए । यहां बांध बनाने और वहां पानी लेने का कोई मतलब नहीं है ।

आदिवासी नेताओं का यह भी कहना है कि केंद्र ने नर्मदा योजना की विफलता को छिपाने के लिए परियोजना को डिजाइन किया है । परियोजना के परिणामस्वरूप डांग, वलसाड और तापी जिलों में सैकड़ों आदिवासी विस्थापित होंगे । सागौन और बांस और अन्य लकड़ियों से भरपूर डांग के जंगल जलमग्न हो जाएंगे । आदिवासी नेताओं का कहना है कि उन्होंने नर्मदा योजना, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, उकाई आदि जैसी कई परियोजनाएं देखी हैं, जहां आदिवासियों को उनकी भूमि से विस्थापित होने के लिए मुआवजा दिया जाना बाकी है ।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोन: 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/95